वैशाख शुक्ल पक्ष द्वितीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 301 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 अप्रैल 2025 मंगलवार

आज का मौसम
40 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कैबिनेट की मुहर के लिए आई नीति

प्रतिबंध से आजाद होंगे तबादले, 20 और 10 फीसदी का फार्मूला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र की मोहन यादव कैबिनेट कर्मचारियों, अधिकारियों की सालभर से चली आ रही मांग को मंजूरी देने जा रही है। आज दोपहर बाद आयोजित बैठक में कैबिनेट सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों के तबादले पर प्रतिबंध हटाने के प्रस्ताव को हरी झंडी देगी। इसके बाद एक मई से कर्मचारियों के तबादलों से बैन हट जाएगा। बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा तैयार तबादला नीति पर मंत्रिमंडल के सदस्यों की सहमति ली जाएगी। इसमें विभागीय मंत्रियों और प्रभारी मंत्रियों को तबादले के अधिकार दिए जाएंगे। इसके साथ ही कैबिनेट बैठक में सोलर एनर्जी प्लांट लगाए जाने का भी प्रस्ताव आएगा जिससे जनरेट होने वाली बिजली उत्तर प्रदेश को भी मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पिछले सप्ताह कैबिनेट बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिए थे कि कैबिनेट में तबादला नीति का प्रस्ताव लाया जाए। इसी तारतम्य में आज कैबिनेट में नई तबादला नीति पर चर्चा होगी और यदि कोई बडा पेंच नहीं उभरा तो इसे मंजूरी भी मिलेगी।

तीन वर्ष से जमे कर्मचारी हटेंगे

■ इस नीति में पति-पत्नी को एक स्थान पर पदस्थ करने से लेकर गंभीर बीमारी के प्रकरणों में तबादले प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। एक जिले से दूसरे जिले में पोस्टिंग के लिए विभागीय मंत्रियों को अधिकार होंगे। तबादले प्रशासनिक और स्वैच्छिक आधार पर होंगे। मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से तबादले उसी स्थिति में बदले जाएंगे जब अनुमति ली गई हो। जिन अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार या पद के दुरुपयोग के मामले हैं, उन्हें स्थानांतरित किया जाएगा। तीन वर्ष से पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी हटाए जाएंगे। तबादले की सूची कलेक्टर जनप्रतिनिधियों से चर्चा के बाद तैयार करेंगे और उसे प्रभारी मंत्री के अनुमोदन से लागू किया जाएगा। यदि कोई संवर्ग 200 कर्मचारियों का है तो वहां 20 प्रतिशत, 2000 तक के संवर्ग में 10 प्रतिशत और इससे अधिक संवर्ग है तो वहां अधिकतम आठ प्रतिशत तक तबादले किए जा सकेंगे।

कैबिनेट के विषय

■ सोलर एनर्जी प्लांट की स्थापना, इससे उत्तर प्रदेश को भी बिजली।
■ गेहूं खरीदी के लिए राशि की व्यवस्था।
■ कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के कुछ प्रकरण।
■ कर्मचारियों को 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता के फैसले का अनुसमर्थन।

प्रधानमंत्री को खरगे-राहुल का पत्र, संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने की मांग

पहलगाम का मास्टरमाइंड चिन्हित, 48 पर्यटन स्थल बंद, सियासी अटैक शुरू

नई दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी।

पहलगाम आतंकी हमले की जांच में अब एक नया खुलासा सामने आ रहा है। इंटेलिजेंस एजेंसी के मुताबिक इस हमले का मास्टर माइंड पाकिस्तान का पूर्व एसएसजी कमांडर हाशिम मूसा है वह अभी लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लश्कर ने ही उसे जम्मू-कश्मीर भेजा था ताकि वह सुरक्षा बलों और गैर-स्थानीय नागरिकों पर हमलों को अंजाम दे सके। मूसा ने गांदरबल के गगनगीर में भी अक्टूबर 2024 में हमले को अंजाम दिया था। इसमें कई मजदूर और एक स्थानीय डॉक्टर की जान गई थी। बारामूला अटैक भी मूसा ने कराया था। इधर कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है और इन दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री से संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने की अपील की है। राहुल ने कहा कि कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर रखा है। ऐसे समय में भारत को एकजुट होकर दुनिया को यह संदेश देना चाहिए कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एकसाथ खड़े हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस के हैंडल से जारी एक पोस्टर से सियासी बवाल मचने लगा है। माना जा रहा है कि कांग्रेस ने पीएम पर निशाना साधा है,पोस्टर का शीर्षक है-गायब !

उधर, पाकिस्तान अब बडबोले बयानों के बाद बैकफुट पर आ रहा है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पहलगाम अटैक के बाद भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। आसिफ ने कहा है कि हमने फौजों की ताकत और बढ़ा दी है क्योंकि कुछ भी हो सकता है। हालांकि, उनके इस बयान को लेकर विवाद भी हो गया है। खुद आसिफ का कहना है कि उनके पहले के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। हम अपने परमाणु हथियारों का केवल तभी इस्तेमाल करेंगे जब हमारे अस्तित्व पर सीधा खतरा होगा।संभावना है कि अगले दो से तीन या चार दिनों में युद्ध हो सकता है। इससे पहले रक्षा मंत्री ने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान का आतंकवाद को सपोर्ट करने और टेरर फंडिंग करने का लंबा इतिहास रहा है. हम लोग 30 साल से इस गंदे कामको अमेरिका के लिए करते आ रहे हैं।

कश्मीर में 48 पर्यटन स्थल बंद

कश्मीर सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़ा फैसला लेते हुए खुफिया सूचना के बाद 87 में से पर्यटन स्थल बंद कर दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियों की सिफारिश पर उमर सरकार ने यह फैसला लिया है। आतंकी हमलों की संभावना के बारे में खुफिया एजेंसियों की चेतावनी के बाद कश्मीर में 48 पर्यटक स्थलों को बंद किया गया है। सूत्रों के अनुसार, पहलगाम हमले के बाद घाटी में कुछ स्लीपर सेल सक्रिय हो गए हैं, उन्हें गतिविधि शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है कांग्रेस की पोस्ट में....

■ पहलगाम आतंकी हमले के बाद नेताओं के विवादित बयानों को लेकर घिरी कांग्रेस ने अब एक नई पोस्ट की है। एक्स पर एक तस्वीर के साथ पोस्ट में लिखा है - जिम्मेदारी के समय गायब। तस्वीर में सिर वाली जगह पर गायब लिखा हुआ है। कांग्रेस की पोस्ट

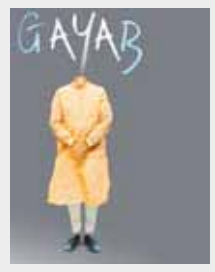

के बाद सियासी गलियारे सरगर्म है। तस्वीर में किसी का नाम नहीं है, लेकिन इसे पीएम के सर्वदलीय बैठक में शामिल न होने के मुद्दे से जोड़ा जा रहा है। इस संबंध में कल ही खरगे ने बयान भी दिया था कि सभी दल के नेता आए लेकिन पीएम बिहार में थे। वहीं भाजपा ने कांग्रेस की पोस्ट पर पलटवार किया है। अमित मालवीय ने कहा है कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने इस तरह की रणनीति अपनाई है। राहुल गांधी ने कई मौकों पर प्रधानमंत्री के खिलाफ उकसाया है।

कल से चारधाम यात्रा, 2 को खुलेंगे केदारनाथ के कपाट

देहरादून, एजेंसी। कल से चारधाम यात्रा कल शुरू हो रही है। यह 6 नवंबर तक चलेगी। सबसे पहले 30 अप्रैल को यमुनोत्री और गंगोत्री, 2 मई को केदारनाथ धाम और 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। आज 29 अप्रैल को मां गंगा की डोली मुखबा से गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। भैरो घाटी में विश्राम के बाद 30 अप्रैल को डोली सुबह 9 बजे गंगोत्री धाम पहुंचेगी। इसके बाद यात्रा की विधिवत शुरुआत होगी। अब तक 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन अब भी जारी है। उत्तराखंड सरकार ने यात्रा के पहले एक महीने तक वीआईपी दर्शन पर रोक लगाई है।

अभी चार दिन मप्र के पूरब को गर्मी से राहत, भोपाल तपेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मध्यप्रदेश में अभी अगले चार दिनों तक कई जिलों में बारिश का अलर्ट है। पूर्वी और दक्षिणी हिस्से जैसे- नर्मदापुरम, रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, आज मंगलवार को पूर्वी हिस्से के 6 जिलों में बारिश हो सकती है। इनमें शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। इधर, उज्जैन और ग्वालियर-चंबल संभाग में गर्मी का असर तेज है। भोपाल, इंदौर संभाग के शहरों में भी पारा 42 डिग्री के आसपास पहुंचने के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। वहीं, दो टर्फ एक्टिव है। इस वजह से सोमवार को कई जिलों में बारिश का दौर रहा। ऐसा ही मौसम मंगलवार को भी बना रहेगा। यहां गरज-चमक के साथ तेज आंधी भी चल सकती है। 1-2 मई को भी नए सिस्टम की वजह से बारिश होने के आसार है।

बांग्लादेशियों को पनाह: आलीशान फार्महाउसों पर बुलडोजर चला

अहमदाबाद, एजेंसी। आज सुबह-सुबह अतिक्रमण के खिलाफ शुरू किए अभियान में अवैध निर्माणों को ढहा दिया। अहमदाबाद नगर निगम और पुलिस की ओर से शुरू की ड्राइव में अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन 50 बुलडोजर लेकर पहुंचा व चंडोला तालाब पर बने अवैध निर्माण को हटाने की प्रक्रिया शुरू की। कार्रवाई के खिलाफ स्थानीय लोग गुजरात हाईकोर्ट पहुंचें हैं, बताया जाता है कि लल्लू बिहारी ने तालाब पर अवैध निर्माण कर आलीशान फार्म हाउस बना कर खड़े किए थे, जहां पर अवैध रूप से आने वाले बांग्लादेशियों को संरक्षण दिया जाता था। तीन दिन पहले यहीं से 1 हज़ार से ज्यादा संदिग्ध अवैध घुसपैठियों को पकड़ा गया था। पुलिस अभियान के तहत करीब 450 बांग्लादेशी नागरिक गुजरात में अवैध रूप से रह रहे पाए गए हैं।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी, सुप्रीम इंकार

नई दिल्ली, एजेंसी।

बहुचर्चित पेगासस जासूसी मामले में जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा- व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि पैनल की रिपोर्ट किस हद तक व्यक्तियों के साथ साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। उल्लेखनीय है कि 2021 में न्यूज पोर्टल 'द वायर' ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि भारत सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की जासूसी की। इन लोगों में पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे। सरकार ने पेगासस स्पाइवेयर के जरिए इन लोगों के फोन हैक किए थे। इसके बाद ही सरकार के खिलाफ कई लोगों ने कोर्ट में याचिका लगाई थी। याचिका लगाने वालों में एडवोकेट एमएल शर्मा, राज्यसभा सांसद

और पत्रकार जॉन ब्रिटास, हिंदू ग्रुप के डायरेक्टर एन राम, एशियानेट समूह के फाउंडर शशि कुमार, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, पत्रकार रुपेश कुमार सिंह, प्रांजय गुहा ठाकुरता, इप्सा शताक्षी, एसएनएम आबिदी और प्रेम शंकर झा शामिल हैं। याचिका दायर होने के बाद 17 अगस्त को कोर्ट ने केंद्र को इस मामले में नोटिस जारी किया था। यह मामला सामने आने के बाद सरकार ने सभी आरोपों को निराधार बताया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने दो पन्नों के एफिडेविट में कहा था कि भारत एक मजबूत लोकतंत्र है और अपने नागरिकों के निजता के अधिकार के लिए पूरी तरह समर्पित है। कोर्ट से नोटिस मिलने के बाद केंद्र ने कहा कि वह सारी जानकारी एक एक्सपर्ट कमेटी के सामने रखने को तैयार है। राष्ट्रीय सुरक्षा को देखते हुए वो इसे कोर्ट के सामने पब्लिक नहीं कर सकता है। ज्ञात हो कि ई पत्रकारों और एक्टिविस्ट्स की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 27 अक्टूबर 2021 को एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हर किसी की प्राइवेसी की रक्षा होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन इसके अध्यक्ष बनाए गए थे।

4 महीने से करिश्माई वैभव को तराश रहे थे द्रविड-आरआर

जयपुर, एजेंसी।

आईपीएल में कमाल की बल्लेबाजी करने वाले राजस्थान रायल्स के महज चौदह वर्षीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी का पूरा परिवार गदगद है। वैभव ने महज 35 गेंदों पर शतक ठोक दिया है। अब उनके पिता संजीव सूर्यवंशी ने शानदार बैटिंग पर राजस्थान रॉयल्स के मैनेजमेंट और उनके खिलाड़ियों को शुक्रिया कहा है। गौरतलब है वैभव बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखते हैं। सूर्यवंशी कहा-पिछले चार महीने से राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को अपने पास रखकर काफी अच्छी प्रैक्टिस करवाई। इसमें हेड कोच राहुल द्रविड़, बैटिंग कोच विक्रम राठौड़, साईराज बहुतुले और अन्य का अहम योगदान रहा। इन सब ने वैभव को अपने पास रखकरखकर उसके खेल को सुधारा। खास यह रहा कि कोच राहुल द्रविड़ ने जिस तरह से वैभव सूर्यवंशी के शतक को सेलिब्रेट किया वह कमाल था।

द्रविड़ पैर में फ्रैक्चर होने के कारण मैदान पर नहीं आ रहे हैं लेकिन वैभव के शतक पर वह पैर में प्लास्टर और दर्द भूल गए। वह खुशी में जब वह अपनी सीट से खड़े हो रहे थे तो गिरते-गिरते भी बचे।

आईपीएस भट्ट की सजा निलंबित करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। आज सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी संजीव भट्ट की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 1990 के कस्टोडियल डेथ केस में अपनी आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने की मांग की थी। उन्होंने इस मामले में जमानत की भी मांग की थी, जिसे शीर्ष अदालत ने ठुकरा दिया।

मेट्रो एंकर | बेबाक राय रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू का बेबाक पोस्ट चर्चा में

'दोस्तों..अब आराम की जरूरत है, मरना चाहता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी।

अपने बेबाक बयानों के लिये मशहूर और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय काटजू का एक बयान बडी चर्चा बन गया है। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लिखा- 'मैं मरना चाहता हूं मेरे दोस्तों। मैंने अपने देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाया है, और अब मुझे आराम की ज़रूरत है।' काटजू हमेशा से ही टिप्पणियों के लिए चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के बाद यूजर्स की टिप्पणियों का भी जवाब देते हैं, जो कि कई बार काफी फनी भी होता है। लेकिन इस बार काटजू ने जो पोस्ट किया, उस पर कई सवाल उठ रहे हैं। लोग जानना चाह रहे हैं कि काटजू ने ये पोस्ट किसी मजाक में किया है या फिर सच में वह ऐसा महसूस कर रहे हैं। क्योंकि काटजू के पोस्ट कई बार मजाकिया लहजे में किए हुए होते हैं। उल्लेखनीय है कि मार्कंडेय काटजू सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज तो है ही, वह भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष भी रहे हैं। काटजू अपनी बेबाक राय के लिए प्रसिद्ध हैं, जिसके कारण वे अक्सर विवादों में रहे। एक बार उन्होंने कहा था कि 90% भारतीय 'बेवकूफ' हैं, जो धर्म और जाति के नाम पर बहक जाते हैं। उनके बयानों की वजह से उन्हें कई बार लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। काटजू का जन्म 20 सितंबर 1946 को लखनऊ में हुआ था। उनके पिता शिवनाथ काटजू इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे, और दादा कैलाश नाथ काटजू मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और पश्चिम बंगाल-ओडिशा के राज्यपाल रहे थे।

सबसे तेज काम करने वाले जज

काटजू ने 1970 में इलाहाबाद हाई कोर्ट में वकालत शुरू की थी। बाद में वह इलाहाबाद हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीश बने और फिर मद्रास हाई कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे। 2006 में उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त किया गया, जहां वे अपनी तेजी से मामले निपटाने की क्षमता (सप्ताह में 100+ मामले) के लिए जाने गए। 2011 से 2014 तक वे प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहे।

पाकिस्तान में सब कुछ नदारद

■ पूर्व जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने कुछ समय पहले ट्वीट में लिखा -पाकिस्तान में बिजली नदारद, गैस नदारद, मोबाइल का सिग्नल नदारद, नौकरी नदारद। लगता है कि ये लोग रोज पांच बार नमाज नहीं पढ़ते, तभी अल्लाह इनसे खफा है। एक बार उन्होंने अपने खिलाफ पर्चेबाजी से परेशान दो साथी न्यायधीशों को सलाह दी थी कि आजकल न्यायाधीशों के बारे में बहुत सी बातें कही जाती हैं और आपको एक मोटी चमड़ी विकसित करनी चाहिए, अन्यथा आप अपना कार्य करने में समर्थ नहीं रहेंगे।

थाना परिसर में घुसकर कांस्टेबल को गोली मारी

सतना, दोपहर मेट्रो। बीती देर रात सतना के जैतवारा थाना परिसर में नकाबपोश युवक ने हेड कॉन्स्टेबल को गोली मार दी। गोली उसके कंधे व कालरबोन के पास लगी। हमलावर मौके से फरार हो गया। पुलिस सरगर्मी से उसकी तलाश कर रही है। बताते हैं कि बीती रात करीब 12 बजे की घटना है। हेड कॉन्स्टेबल प्रिंस गर्ग थाना परिसर में बने बैरक में रहता है। रात को ड्यूटी से लौटकर खाना खाने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान कमरे के बाहर से आवाज आई। प्रिंस बाहर आया और देखा कि एक नकाबपोश युवक खड़ा है। प्रिंस के बाहर आते ही युवक ने कट्टे से उस पर फायर कर दिया। फायरिंग की आवाज सुनकर थाने का स्टाफ बाहर आया। प्रिंस को तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस सरगर्मी से आरोपी क तलाश कर रही है। बताया जाता है कि आरोपी की पहचान हो गई है, बीते दिनों चैकिंग के दौरान आरोपी का का कांस्टेबल से विवाद हुआ था।

मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट 2025 का ड्राफ्ट तैयार करने का काम शुरू

राजधानी को मेट्रोपॉलिटन एरिया बनाने के लिए पांच जिलों को जोड़ने का फैसला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल को महानगर के सांचे में ढालने के लिये कुछ महत्वपूर्ण निर्णय सैध्दांतिक रूप से हो गये हैं। अब इनके सिरे चढने पर राजधानी के रूपरंग में बदलाव देखने को मिलेगा। राज्य सरकार ने मप्र मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट 2025 का ड्राफ्ट तैयार करने की नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग को मंजूरी दे दी है। एक हफ्ते के भीतर ये ड्राफ्ट तैयार कर मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति को भेजा जाएगा। समिति की मंजूरी के बाद एक्ट के मसौदे को विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। इस मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मेट्रोपॉलिटन एरिया के गठन के प्रस्ताव पर समीक्षा बैठक में खास चर्चा हुई है। नगरीय विकास के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने प्रेजेंटेशन में बताया कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया के लिए कंसल्टेंट की नियुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी कर दी गई है। जबकि इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया के प्रथम चरण का काम पूरा हो चुका है। दोनों शहरों के विकास का जिम्मा मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी का होगा।

भोपाल मेट्रोपॉलिटन में इन जिलों को किया जा सकता है शामिल

बताया जाता है कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया में भोपाल- सीहोर- रायसेन-विदिशा और राजगढ़ जिले के ब्यावरा को शामिल किया गया है। भोपाल विकास प्राधिकरण को मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलप करने के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है। हालांकि अभी तय नहीं है कि इन जिलों का कितना क्षेत्रफल भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया में शामिल होगा।

मेट्रो प्रोजेक्ट को मंडीदीप तक विस्तार की मिली थी मंजूरी

2022 में शिवराज सरकार ने भोपाल में मेट्रो रेल प्रोजेक्ट को मंडीदीप तक विस्तार करने के लिए मेट्रोपॉलिटन एरिया के प्रस्ताव को कैबिनेट में मंजूरी दी थी। उस वक्त भोपाल मेट्रोपॉलिटन का प्रारंभिक एरिया डिफाइन किया था, जिसमें भोपाल की 59 ग्राम पंचायतें और मंडीदीप निवेश क्षेत्र (रायसेन) की 9 ग्राम पंचायतें शामिल की गई थी। इससे पहले कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ने भी भोपाल को दिल्ली एनसीआर की तर्ज पर विकसित करने की बात कही थी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि कंसल्टेंट की नियुक्ति के लिए टेंडर जून में ओपन होगा। सूत्र बताते हैं कि दोनों शहरों को मेट्रोपॉलिटन रीजन में डेवलप करने के लिए सरकार को नया कानून बनाना पड़ेगा। बैठक में मप्र मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट 2025 का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग को निर्देश दिए गए हैं। सरकार की कोशिश है कि विधानसभा के मानसून सत्र (जुलाई में संभावित) में मेट्रोपॉलिटन एक्ट के मसौदे को पेश किया जाए।

अभी से नाम तय करने की कवायद !

बताया जाता है कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया के लिए भी तीन नाम सुझाए गए हैं,इनमें भोपाल महानगरीय क्षेत्र, मप्र राज्य राजधानी क्षेत्र एवं भोजपाल महानगरीय क्षेत्र हैं। इसी प्रकार इंदौर मेट्रोपालिटन एरिया का नाम अवंतिका क्षेत्र हो सकता है। इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया में पांच जिले इंदौर, देवास, उज्जैन, धार और शाजापुर को शामिल किया गया है। कुल क्षेत्रफल करीब 9 हजार वर्ग किमी का होगा। इस एरिया की आबादी 55 लाख के करीब होगी। इंदौर मेट्रोपॉलिटन एरिया को डेवलप करने का काम तेजी से हो रहा है। इंदौर विकास प्राधिकरण(आईडीए) को नोडल एजेंसी बनाया है।

एमसीयू में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियों पर विमर्श

पत्रकारिता-सिनेमा एक खुला आसमान, हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अवसर और चुनौतियां विषय पर एक विमर्श का आयोजन किया गया। अध्यक्षता विवि के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की।

मुख्य वक्ता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के विभिन्न मीडिया संस्थानों में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी संयुक्ता बनर्जी, अंकित शर्मा, अक्षय श्रीवास्तव, आशुतोष रंजन मालवीय, क्षितिज पांडेय रहे। विमर्श का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा और सह-संयोजक डॉ. रामदीन त्यागी ने किया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि एक पत्रकार के रूप में आपके अंदर समस्या में जाने लायक ज्ञान होना चाहिए। पत्रकारिता और सिनेमा एक खुला आसमान है और हम इसमें लाइन नहीं खींच सकते। कुलगुरु ने पत्रकारिता को सृजन का संसार एवं रचनात्मकता का क्षेत्र बताया एवं विद्यार्थियों से पुस्तकें पढ़ते रहने को कहा।

संयुक्ता बनर्जी ने कहा कि डिजिटल में आपका थंबनेल ही सब कुछ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि पत्रकारिता में एआई का इस्तेमाल कम करें एवं अपने दिमाग का इस्तेमाल ज्यादा करें। उन्होंने एआई पर हमेशा निर्भर ना रहने की बात कहते हुए कंटेंट को किंग बताया और साथ ही कहा कि कंटेंट ही आपको बना और बिगाड़ सकता है।

मुख्य वक्ता अंकित शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक ऐसा कार्य है जहां आपको धैर्य एवं मनोबल बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ऊपर विश्वास रखें और पूरी लगन से पत्रकारिता करें। शुरुआत में विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. मोनिका वर्मा ने विमर्श के बारे में बताया।

कहा अधिनियम में सहमति लेने का प्रावधान नहीं

पेंशनरों ने केंद्र के समान 5प्रतिशत डीआर मांगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रदेश के पेंशनरों को केंद्र के समान 5त्न देय तिथि से महंगाई राहत भुगतान करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव वित्त को लिखे पत्र में जुलाई 24 से 3त्न एवं जनवरी 2025 से दो प्रतिशत महंगाई राहत के आदेश जारी करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि अधिनियम में डीआर देने के लिए छग से सहमति लेने का कोई प्रावधान ही नहीं है। जब 1 नवंबर 2000 से अभी तक मध्यप्रदेश एवं छग के महालेखाकार ने डीआर की राशि दोनों राज्यों से वसूल ही नहीं की है तो सहमति किस आधार पर ली जा रही है। संगठन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने कहा कि राज्य पुर्नगठन अधिनियम 2000 की धारा 49 अनुसूची 6 उतरवर्ती मध्यप्रदेश के पेंशनरों को महंगाई राहत देने के लिए बाधक नहीं है जिसकी पुष्टि महालेखाकार मध्य प्रदेश/ छत्तीसगढ़ द्वारा एकीकृत मध्य प्रदेश के पेंशनरी दायित्वों की वसूली से संबंधित वर्ष 2001 से आज दिनांक तक जारी परिपत्रो के साथ संलग्न मदवार तालिका से की जा सकती है। जोशी ने बताया कि महंगाई राहत देने के संबंध में दोनों राज्यों के बीच सहमति का सिलसिला वर्ष 2006 से शुरू किया गया है, जो संदेहास्पद है।भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने प्रदेश सरकार पर पेंशनरों को आर्थिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।

भाभा विवि में पहलगाम हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि

भोपाल। भाभा विश्वविद्यालय में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यकारी कुलगुरु एनके अग्रवाल ने कहा कि यह केवल एक हमला नहीं बल्कि मानवता पर एक गहरा प्रहार था। सभी कर्मचारियों ने एकत्र होकर कैंडल मार्च भी निकाला।

ट्रेनो में पैर रखने की जगह नहीं, कम नही हो रही वेटिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गर्मियों की छुटई में ट्रेन से यात्रा करने वालों के लिए परेशानी बढ़ गई है। भोपाल से जम्मू, दिल्ली, मुंबई, गोरखपुर और अन्य प्रमुख शहरों की ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है। हालत यह है कि यात्रियों को डेढ़ गुना किराए वाली स्पेशल ट्रेनों का सहारा लेना पड़ रहा है।स्पेशल ट्रेनें और अतिरिक्त कोच जोड़ने के बावजूद ट्रेनों में भारी भीड़ बनी हुई है। रेलवे के मुताबिक, यात्रियों की मांग के हिसाब से लगातार स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं और जरूरत पड़ी तो और बढ़ाई जाएंगी। लेकिन, इन ट्रेनों का किराया भी अधिक है, और लेटलतीफी से परेशानी और बढ़ जाती है। बताया जाता है कि अभी भोपाल से मुंबई जाने वाली पंजाबमेल, पुष्पक, कामायनी, गोरखपुर एक्सप्रेस और एलटीटी-हरिद्वार एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्लीपर में 100 से ज्यादा और एसी-3 में 70 से अधिक वेटिंग चल रही है। वहीं मालवा और झेलम एक्सप्रेस में स्लीपर टिकट मिलना मुश्किल है। एसी-3 श्रेणी में भी 50 से ज्यादा वेटिंग है। हाल में पहलगाम में आतंकी घटना के बाद भी यात्रियों की संख्या में कमी नहीं आई है। भोपाल से दिल्ली जाने वाली राजधानी, सचखंड, केरल एक्सप्रेस में स्लीपर और एसी-3 दोनों में औसत 40-45 वेटिंग मिल रही है।

शिक्षकों की मांग, स्थानांतरण, अतिशेष प्रक्रिया ग्रीष्मावकाश में की जाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शासकीय शिक्षक संगठन म.प्र. ने शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग कि है कि शिक्षकों की अतिशेष, उच्च पद प्रभार एवं स्थानांतरण की कार्यवाही समय सीमा अर्थात ग्रीष्मावकाश (मई एवं जून माह) में पूर्ण की जाए, जिससे कि शिक्षण व्यवस्था प्रभावित ना हों। संगठन के कार्य. प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि विगत शिक्षा सत्र के दौरान अक्टूबर माह तक अतिशेष एवं उच्च पद प्रभार की कार्यवाही के चलते जहां एक ओर बच्चों की शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हुई, वहीं दूसरी तरफ शिक्षक भी असमंजस की स्थिति में भटकते रहे और पूरे शिक्षा सत्र में उठापटक की स्थिति निर्मित हुई। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिक्षा सत्र के बीच में अति शेष, उच्च पद प्रभार एवं स्थानांतरण की कार्यवाही की जाएगी तो संगठन बच्चों की शिक्षण व्यवस्था एवं शिक्षकों के हितों के संरक्षण में शिक्षा विभाग की उक्त कार्यवाही का विरोध करेगा। संगठन ने सर्वप्रथम रिक्त पदों पर अतिशेष शिक्षकों का समायोजन किया जाए, तत्पश्चात स्थानांतरण की कार्यवाही की जावें।

मेट्रो एंकर विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया

समर पार्टी में एंज्वॉय किया छात्राओं ने, प्रस्तुतियां दीं

दोपहर मेट्रो, हिरदाराम नगर।

नवयुवक सभा द्वारा संचालित अनंदराम टी. शाहानी कन्या उच्चतर विद्यालय में सोमवार को समर पार्टी का आयोजन किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने इसके लिए विद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट फल और शीतल पेय पदार्थों के स्टॉल लगाए गए थे, जिनका स्वाद भी लिया। छात्राओं ने विभिन्न खेलों और नृत्य प्रस्तुतियां दीं।

विभिन्न तरह का दिया जाएगा प्रशिक्षण

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या ज्योति चौहान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग करने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्राओं से किसी न किसी रचनात्मक गतिविधि में शामिल होने, गृहकार्य और पढ़ाई के लिए भी समय निकालने का आग्रह किया। प्राचार्या ने समर कैंप के माध्यम से छात्राओं की रचनात्मकता को बढ़ाने पर जोर दिया। विद्यालय में समर कैंप मई माह में चलेगा, जिसमें विभिन्न तरह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

सिंधी समाज ने पहलगाम के दिवंगतों की याद में कैंडल मार्च निकाला

दोपहर मेट्रो, हिरदाराम नगर।

सिंधी समाज उत्थान पंचायत, विजय नगर, लालघाटी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए निर्दोष नागरिकों के निर्मम हत्याकांड के विरोध में श्रद्धांजलि सभा और कैंडल मार्च का आयोजन किया।

विजय नगर, ओमनगर, सावननगर और वल्लभनगर सहित शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में सिंधी समाज के लोगों ने शोक सभा में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आरंभ गंगा सेवा धाम दरबार परिसर में हरि नाम संकीर्तन के साथ हुआ, जहां उपस्थित समुदाय ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन गाकर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले की आत्मा की शांति और सद्गति के लिए प्रार्थना की। प्रदर्शन और श्रद्धांजलि सभा के आयोजन में पंचायत के वरिष्ठ पदाधिकारियों रमेश भंबानी, कैलाश शर्मा, अशोक टिलवानी, वासुदेव जेठानी और ओ.पी. पाहुजा हीरानंद गनवानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

वैशाख का चन्द चंड आज धुनी और भंडारे होगा

हिरदाराम नगर। संतनगर में सिंधी समाज मंगलवार 29 अप्रैल 2025 को वैशाख महीने का चन्द चड मनाएगा। कोड़ोमल हाल स्थित झूलेलाल मंदिर, एच वार्ड में साईं झूलेलाल की विशेष धुनी और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति ने बताया है कि कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5:00 बजे साईं झूलेलाल की धुनी के साथ होगी। इसके पश्चात, शाम 6:00 बजे से रात 8:00 बजे तक पूज्य बहिराणा साहिब का पाठ किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन आम भंडारे के साथ होगा, जो रात 8:00 बजे से शुरू होगा। झूलेलाल कैटर्स और मोतीराम बहिराणा पार्टी प्रसादी का आयोजन करेगी।

मंत्रालय के मूल भवन को हाइटेक बनाने की कवायद

नए के नाम पर वल्लभ भवन की पुरानी इमारत पर 80 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना तैयार

दोहपर मेट्रो, भोपाल

अब मप्र सरकार छह दशक से भी ज्यादा पुराने लेकिन मजबूत और हवादार मंत्रालय भवन को आधुनिक लुक देने की कवायद में हैं। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहे हैं कि कहीं यह भवन भी नए मंत्रालय भवन की तरह 'बंद-बंद' न हो जाए। दरअसल इस भवन को जरूरत के मान से छोटा बताकर इसके इर्दगिर्द जिन दो नई इमारतों का जाल बिछाया गया है, वह दिखने में भले भव्य व आधुनिक हों इसके भीतर का वातवरण बहुत मुफीद नहीं माना जाता। बहरहाल अब सरकार ने पुराने मंत्रालय भवन का रेनोवेशन जल्द शुरू करने का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि बाहरी ढांचे को बदले बगैर इसे वीबी-2 और वीबी-3 की तरह मॉर्डन लुक दिया जाएगा। थोडी ही दूरी पर बने सतपुड़ा और विंध्याचल भवन में लगी आग की घटनाओं से सबक लेकर पहली बार वीबी-1 में भी फायर सेफ्टी के हाईटेक इंतजाम किए जाएंगे। इसमें पहली बार फायर हाइड्रेंट सिस्टम लगेगा। इसके तीन हजार इनडोर स्प्रिंक्लर्स कार्बन स्मोक (काला धुआं) या 50 डिग्री तापमान की तपिश को डिटेक्ट करते ही खुद पानी छिड़काव चालू कर देंगे। ऐसे ही एड्रेसेबल फायर अलार्म सिस्टम के डिटेक्टर, कंट्रोल रूम में लगी स्क्रीन पर ये संदेश देंगे कि आग कौन सी मंजिल पर और किस कमरे में लगी है। हर कमरे, मीटिंग हॉल, टॉयलेट्स और कॉरिडोर में ये स्प्रिंक्लर्स और डिटेक्टर लगाए जाएंगे।

रेनोवेशन का काम करेगी गुजरात की कंपनी

उल्लेखनीय है कि मंत्रालय की इस पुरानी यानि वीबी-1 इमारत का बडे पैमाने पर बाहरी और आंतरिक रेनोवेशन पहले नहीं हुआ। बताते हैं कि इसके रेनोवेशन पर पीडब्ल्यूडी 86.08 करोड़ रुपए खर्च करेगा और 49.76 करोड़ रुपए में सिविल वर्क और 36.32 करोड़ से बिजली के काम पूरे होंगे। बताते हैं कि रेनोवेशन का काम गुजरात की कंपनी करेगी। पीडब्ल्यूडी अफसरों का कहना है कि वीबी-1 की कलर थीम भी वीबी-2 और वीबी-3 की तरह ही रखी जाएगी। इस भवन के नॉर्थ-साउथ एलिवेशन का नवीनीकरण किया जाएगा। इसकी इंटरनल लाइटिंग एलईडी होगी। इसमें एयरकंडीशनिंग के लिए वीआरवी सिस्टम लगेगा।

पहली बार फायर हाइड्रेंट सिस्टम

खबरो के मुताबिक वीबी-1 की फायर सेफ्टी के लिए 10 पंप भी लगाए जाएंगे। इनमें 2 इलेक्ट्रिक पंप, 6 जॉकी पंप और 2 डीजल पंप शामिल हैं। आग लगने पर बिजली नहीं कटती है तो आग बुझाने का काम इलेक्ट्रिक पंप के जरिए किया जाएगा। बिजली कट हो जाती है तो डीजल पंप ये काम करेंगे। जॉकी पंप का काम पानी के प्रेशर को बढ़ाना है। वीबी-1 में 19 विभाग और 10 मंत्रियों के बैठने की व्यवस्था करने की योजना है। प्लानिंग ऐसी है कि प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी से लेकर उनके सपोर्टिंग स्टाफ तक के सभी कर्मचारी-अधिकारियों को एक ही फ्लोर पर बिठाया जाए। वीबी-1 के बेसमेंट में नया रिकॉर्ड रूम भी बनाया जाएगा। साथ ही बैंक, लाइब्रेरी, पोस्ट ऑफिस, डिस्पेंसरी, झूलाघर, कैंटीन और विजिटर रूम भी बनाए जाने की योजना है।

विभाग रखेंगा टैक्स कलेक्शन पर सीधी नजर

निकायों की वित्तीय स्थिति का ब्योरा एक क्लिक पर मिलेगा

दोहपर मेट्रो, भोपाल

नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिये अब विभाग इस हफ्ते ई-नगरपालिका पोर्टल 2.0 पर नया वित्तीय डैशबोर्ड जोड़ेगा। इस डैशबोर्ड पर सभी 413 नगरीय निकायों के टैक्स भुगतान की पूरी जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। यानि विभाग को लगातार पता चलता रहेगा कि निकाय टैक्स वसूली में किस स्थिति में हैं। पीछे चल रहे निकायों को विभागीय मुख्यालय से सुधार के निर्देश मिलते रहेंगे।

जानकारी के मुताबिक नगरीय प्रशासन डायरेक्टरेट ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल पर काम कर रहा है। इस पोर्टल पर सभी 413 नगरीय निकायों का लिंक अपडेट किया जा चुका है। वर्तमान में ट्रेड लाइसेंस से जुड़ी सुविधाओं का ट्रायल चल रहा है। इसमें लगभग 15 दिनों का समय और लगेगा। मई में ट्रेड लाइसेंस से जुड़ी ऑनलाइन सुविधाएं शुरू कर दी जाएंगी। हालांकि, सभी तरह की सुविधाएं शुरू होने में नवंबर तक का समय लग सकता है। इसके बाद ही मुख्यमंत्री से इसकी शुरुआत करेंगे। 2015 में जब वर्तमान पोर्टल बना था, तो 2017 तक सभी सुविधाएं शुरू हुई थीं। इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका उद्घाटन किया था।अब आयुक्त सिबि चक्रवर्ती के निर्देश पर डायरेक्टरेट का अलग डैशबोर्ड बन रहा है। इसमें पानी, सड़क, सीवर जैसी परियोजनाओं के अलावा विभाग के वित्तीय आंकड़े भी होंगे। इसमें केंद्रीय ग्रांट, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से मिल रही मदद, विभागीय बजट, ऋण जैसे आंकड़े होंगे।

केंद्र दे चुका है निर्देश

केंद्र पहले भी नगरीय निकायों को निर्देश दे चुका है कि जलापूर्ति के खर्च का 100फीसद वसूल किया जाए। प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली में लगातार वृद्धि की जाए। बीते वित्तीय वर्ष में मप्र के निकायों को प्रॉपर्टी टैक्स में 12.98त वृद्धि का लक्ष्य दिया गया था।

कांग्रेस की संविधान रैली में फिर बिगड़ा मंच का माहौल

दिग्विजय ने कहा अब कभी मंच पर नहीं बैठूंगा, नेताओं से भी की अपील

दोहपर मेट्रो, भोपाल

कांग्रेस की गत दिवस ग्वालियर में 'संविधान बचाओ' रैली में मंच पर आने के लिए हो रही खींचतान और धक्का-मुक्की से अजब स्थिति पैदा हो गई। खास बात यह है कि गत सप्ताह ही प्रदेश कांग्रेस ने मंच संहिता तैयार की थी और इसे लागू करने की भी बात कही थी। करीब एक महीने पहले भी भोपाल में मंच पर हालात बिगडे थे और मंच ही ढह गया था। बताया जाता है कि गत दिवस ग्वालियर में मंच पर अव्यवस्था देखकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह नाराज हो गए। उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा कि मंच पर भाषण देकर संविधान की लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती। मंच की लड़ाई खत्म करो। इसके लिये उन्होंने बकायादा हाथ जोडकर प्रभारी महासचिव, पीसीसी अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष से हाथ जोडकर अनुरोध कर डाला। उन्होंने कहा कि आगे से मैं मंच के नीचे बैठूंगा। जब भाषण के लिए बुलाओगे तो बोलने जरूर आ जाऊंगा। वे बोले कि जो यहां पर लोग लेकर लाते हैं, वे बेचारे नीचे रह जाते हैं, और हमारे लोग मंच पर आ जाते हैं। इससे पहले जब दिग्विजय का नाम संबोधन के लिए पुकारा गया तो जीतू पटवारी ने भाषण दे दिया।

उधर सभा में पीसीसी चीफ पटवारी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया पर आरोप लगाते हुए कि उन्होंने जनता की चुनी हुई सरकार गिराई थी। ऐसा करके उन्होंने संविधान को अपमान नहीं किया क्या? पटवारी ने सिंधिया पर गरीबों की जमीन छीनने का आरोप लगाया। जो जमीन उनके पूर्वजों ने दान में दी थी, वह जमीन अपने अधिकारों का दुरुपयोग करके वापस लेना चाहते हैं।

63 कॉलेजों की फीस निर्धारित, आगामी सप्ताह में 40 कॉलेजों की फीस और तय की जाएगी

एलएलबी, बीएएलएलबी और एलएलएम से कॉलेजों की तीन सत्रों की फीस का निर्धारण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। उच्च शिक्षा विभाग कॉलेजों में प्रवेश के लिए जून माह से काउंसलिंग शुरू करेगा। ऐसे में बीसीआई और एनसीटीई कोर्स के साथ कॉलेजों के फीस का निर्धारण प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति द्वारा शुरू कर दिया गया है। कमेटी ने अभी 63 कॉलेजों की फीस निर्धारित की है। आगामी सप्ताह में 40 कॉलेजों की फीस और तय की जाएगी। फीस निर्धारित करने के लिए कमेटी ने कॉलेजों को 30 अप्रैल तक अपने प्रस्ताव जमा करने का समय दिया है। इसके बाद उक्त कोर्स की फीस निर्धारित की जाएगी।

1200 कॉलेजों की की फीस का होगा निर्धारण

दरअसल, प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति को राज्य के 1200 कॉलेज की आगामी तीन सत्र 2025-26, 2026-27 और 2027-28 की फीस निर्धारित करना है। इसलिए फीस कमेटी ने पहले बीसीआई और एनसीटीई में आने वाले कोर्स की फीस तय करना शुरू कर दिया है। इसके बाद तकनीकी शिक्षा विभाग में आने वाले कॉलेजों में संचालित कोर्स की फीस निर्धारित करने के लिए सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

बीएड की न्यूनतम फीस 32 हजार, बीएएलएलबी 23 हजार

फीस कमेटी ने 63 बीएड, एलएलबी, बीएएलएलबी और एलएलएम की फीस निर्धारित की है। बीएड की न्यूतनत फीस 32 हजार और अधिकतम फीस 45 हजार रुपये रखी है। इसी तरह एलएलबी और बीएएलएलबी की न्यूनतम फीस 23 हजार और अधिकतम फीस 30 हजार रुपये सालाना निर्धारित की गई है। वहीं एलएलएम की न्यूनतम फीस 28 हजार 500 और अधिकतम 45 हजार रुपये सालाना तय की गई है।

बैलेंस शीट में कुछ ज्यादा एंट्री नहीं दिखा सके

कॉलेजों ने फीस कमेटी से इससे अधिक काफी तय करने की मांग की थी। सुनवाई की दौरान कॉलेज अपनी बैलेंस शीट में कुछ ज्यादा एंट्री नहीं दिखा सके, इसलिए उन्हें पूर्व में निर्धारित हुई फीस से संतोष करना पड़ा है। कुछ कालेजों ने फीस बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं का जिक्र किया तो फीस में कुछ बढ़ोतरी की गई है। फीस कमेटी बिना बैलेंस सीट के कालेजों की फीस तय नहीं करेगी। इससे कालेजों की समस्याएं बढ़ गई हैं। फीस कमेटी को अभी प्रोफेशनल कोर्स में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, आर्किटेक, होटल मैनेजमेंट, नर्सिंग, विधि, बीएड और मेडिकल कोर्स संचालित करने वाले कॉलेजों की फीस निर्धारित करना है।

आई-हब और अंतरराष्ट्रीय एयर कनेक्टिविटी को लेकर चर्चा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ब्रिटेन से आबिद फारूकी फ्रेंड्स ऑफ मध्यप्रदेश यूके चैप्टर के प्रतिनिधि से संवाद किया। इस दौरान वॉक-टू-वर्क सुविधा के साथ आईटी पार्क विकसित करने, प्रदेश में डिजिटल इकोनॉमी मिशन लागू करने और एआई आधारित गतिविधियों की अन्य उद्योगों में स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में कार्य करने पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। इस दौरान भोपाल के विकास और एयर कनेक्टिविटी को लेकर काम कर रही संस्था एयर कनेक्टिविटी फॉर भोपाल डेवलपमेंट ग्रुप के फाउंडर आबिद फारूकी ने मुख्यमंत्री से वन् टू वन् मीटिंग में भोपाल को आईटी हब बनाने के प्रस्ताव और एयर कनेक्टिविटी को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने यह भी बताया कि लम्बे समय से भोपाल से अंतेर्राष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। जिसमे भोपाल से दुबई, शारजाह और हॉन्गकोंग की उड़ाने शुरू करने पर ज़ोर है। इसके साथ भोपाल से कोलकाता, चिन्नई और गुवाहाटी रूट्स की फ्लाइट्स को जल्द शुरू करने की मांग भी की गई। इस मौके पर आबिद की पत्नी सायमा ने मुख्यमंत्री को लंदन ब्रिज का प्रतीक चिन्ह भेंट किया।

मरकर भी अमर हो गए मंदसौर के मनोहर

भोपाल। दूसरों के लिए जीने वाले लोग हमेशा इतिहास गढ़ जाते हैं। मंदसौर के मनोहर सिंह ने भी यही किया। वह दूसरों की जान बचाने के लिए गहरे कुएं में कूद गया और चार लोगों को मौत के मुंह से बचा लाया। इस प्रयास के लिए उसकी खुद की जान चली गई। सरकार ने मनोहर सिंह के मानवता को संरक्षित करने के इस प्रयास को न केवल सराहा, बल्कि उसके प्रयासों को सहेजकर रखने की बात कही। उसके इन प्रयासों के लिए उसके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा भी कर दी है। स्व. मनोहर सिंह का सरकार मरणोपरांत सम्मान भी करेगी। रविवार को मंदसौर जिले के नारायणगढ़ थाना क्षेत्र में वाहन कुएं में गिर गया था, 12 लोगों की असामयिक मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री आर्थिक सहायता कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2-2 लाख, गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख और सामान्य रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह मानवता के संरक्षण के लिए बहुत बड़ा प्रयास है, गिने-चुने लोग ही इस तरह का साहस दिखा पाते हैं जो काम मनोहर सिंह ने किया है, वह देशभर को प्रेरित करने वाला है।

वन मण्डलाधिकारी गुना द्वारा तैयार किया गया एआई आधारित सिस्टम

मप्र पहला राज्य जहां रियल-टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम

दोहपर मेट्रो, भोपाल

एआई आधारित रियल-टाइम वन अलर्ट प्रणाली को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बन गया है। प्रदेश में सक्रिय वन प्रबंधन की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। यह प्रणाली उपग्रह चित्रों, मोबाइल फीडबैक और मशीन लर्निंग की मदद से कार्य करती है, जो भूमि अतिक्रमण, भूमि उपयोग परिवर्तन और वन ह्रास का पता लगाकर वन विभाग को समय पर कार्रवाई के लिये सक्षम बनाती है।

इस नवाचार की परिकल्पना वन मण्डलाधिकारी गुना श्री अक्षय राठौर द्वारा की गयी और इसे मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक आईटी श्री बी.एस. अणिगेरी के नेतृत्व और संस्थागत समर्थन से क्रियान्वित किया गया। गूगल अर्थ इंजन पर आधारित यह प्रणाली बहु-कालिक उपग्रह आंकड़ों का विश्लेषण करती है और कस्टम एआई मॉडल की मदद से भूमि उपयोग परिवर्तन की पहचान करती है। हर संभावित बदलाव को मोबाइल ऐप के माध्यम से फील्ड स्टॉफ को भेजा जाता है, जिससे वे स्थल पर जाकर पुष्टि कर सके।

गुना डीएफओ ने बताया कि यह पहली बार है जब हमने सेटेलाइट, एआई और फील्ड फीडबैक को एक निरंतर चक्र में जोड़ा है, जो खुद को समय के साथ सुधारता है। यह प्रणाली फॉरेस्ट स्टॉफ को केवल निगरानी नहीं, बल्कि तत्काल कार्यवाही के लिये सशक्त बनाती है। अलर्ट जनरेशन और फीडबैक प्रक्रिया में प्रारंभिक अलर्ट जनरेशन में गूगल अर्थ इंजन द्वारा 3 तारीखों के उपग्रह चित्रों की तुलना, फसल, बंजर भूमि, निर्माण इत्यादि में बदलाव की पहचान करता है। साथ ही महत्वपूर्ण पिक्सल परिवर्तन के आधार पर पॉलीगन अलर्ट, फील्ड सत्यापन के अंतर्गत मोबाइल ऐप पर अलर्ट भेजना, फील्ड स्टॉफ जीपीएस टैग की गई फोटो, वाइस नोट और टिप्पणियाँ अपलोड करना एवं डेटा समृद्धि में एनडीवीआई, एसएवीआई, ईवीआई जैसे इंडेक्स और एसएआर विशेषताओं को जोड़ने से एक अलर्ट में लगभग 20+ इंडिपेंडेंट फीचर्स तैयार होते हैं।

पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में प्रणाली को किया गया लागू

वन मण्डलाधिकारी के डैशबोर्ड के लिये लाइव निगरानी के अंतर्गत नई प्रक्रिया में और पूर्ण अलर्ट की लाइव स्थिति, बीट और फील्ड पोस्ट अनुसार विभाजन और डेट, डेंसिटी, एरिया आदि के आधार पर फिल्टर एवं फील्ड स्टॉफ की ऑन-साइट कार्रवाई के लिये मोबाइल ऐप पर अलर्ट प्राप्त होगा, छवि, जीपीएस, वॉइस सहित सर्वे डाटा सबमिट और जियो फेंसिंग और दूरी मापन के फीचर अंतर्निहित होंगे। वन विभाग द्वारा पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में इस प्रणाली को 5 संवेदनशील वन मण्डलों में लागू किया गया है, जिनमें शिवपुरी, गुना, विदिशा, बुरहानपुर और खण्डवा शामिल हैं। इन वन मण्डलों में अतिक्रमण और वृक्ष कटाई की घटनाएँ अधिक होती हैं। इस प्रणाली को राज्य स्तर पर भी लागू किया जायेगा।

संपादकीय

विकास की राह और अनपेक्षित अड़चन

भारत के विकास दर में इजाफे के अनुमानों को लेकर जिस तरह की कटौती हुई है, उसके बावजूद भारत की आर्थिक महाशक्ति बनने की संभावना धूमिल नहीं होती। दरअसल हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और आर्थिक सहयोग विकास संगठन के बाद विश्व बैंक ने जिस तरह भारत के वृद्धि अनुमान में 0.5 फीसद तक की कटौती की है,उसका सरकार व कारोबार जगत में असर समझने की कोशिश हो रही है। माना जा रहा है कि बहुत निराश होने की जरूरत नहीं है। मगर सवाल यह है कि जब हम भारत को अगले कुछ वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के दावे कर रहे हैं, तो आखिर क्या वजह है कि वृद्धि अनुमान बार-बार डगमगाते दिखते हैं। यह सच है अमेरिका की नई व्यापार नीति के बाद छिड़े शुल्क संग्राम के बीच दुनियाभर में अनिश्चितता का माहौल है। चीन से उसका टकराव बढ़ने से स्थितियां बिगड़ी ही हैं। वहीं पिछले एक दशक में आए कई झटकों की वजह से पूरे दक्षिण एशिया के देशों के पास मौजूदा वैश्विक चुनौती से निपटने के लिए सीमित उपाय ही हैं। इस बीच वैश्विक एजंसियों ने भारत का वृद्धि अनुमान घटा कर एक तरह से हमें सचेत किया है। हालांकि यह उम्मीद अब भी है कि देश तेजी से बढ़ रही दुनिया का प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा और वैश्विक स्तर पर आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ने पर भी भारत की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 6.2-6.7 की दर से बढ़ सकती है। रिजर्व बैंक को भी उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था इसी दर से बढ़ती रहेगी भारत के आर्थिक विकास में गिरावट की जो वजहें बताई जा रही हैं, उनमें नीतिगत अनिश्चितता तो है ही, वहीं सार्वजनिक पूंजी निवेश भी घटा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम उम्मीद से कम विकास कर पाए हैं, तो इसे गंभीरता से लेना होगा। उद्योग, कृषि-व्यापार और कई क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के दौरान यह भी देखना होगा कि विकास के क्रम में आम आदमी पीछे ही न छूटा रहे। चिंता की बात यह भी है कि उपभोग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए करों में कटौती और कई बदलावों के बावजूद निजी निवेश की गति मंद पड़ रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति के बारे में सतत सोचना होगा, क्योंकि अर्थव्यवस्था की धुरी में उसकी भी उपस्थिति है। ऐसी कुछ चिंताओं के बीच भी उम्मीद बाकी है कि देश आगे बढ़ता रहेगा। गौरतलब होगा कि अमेरिकी व्यापार नीति के कारण उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितताओं ने आर्थिक पूर्वानुमान लगाने वालों और कारोबारी नियोजकों की जिंदगी को अत्यधिक कठिन बना दिया है। यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि तथाकथित 'जवाबी शुल्क' के क्रियान्वयन पर 90 दिन का स्थगन समाप्त होने के बाद वास्तव में क्या होगा? यह भी देखने वाली बात होगी कि अमेरिका कितने देशों के साथ कारोबारी समझौता कर सकेगा और किस टैरिफ दर पर करेगा। फिर यह भी देखना होगा कि अगर अमेरिका किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाता तो क्या वार्ता के लिए और समय दिया जाएगा। इसके अलावा चीन पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक टैरिफ का क्या होगा? ऐसे कई अनसुलझे प्रश्न हैं जो वैश्विक वृद्धि की गति तथा अलग-अलग देशों की वृद्धि की गति निर्धारित करेंगे। इनमें ही कुछ जटिलताएं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ द्वारा जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य के आर्थिक आकलन में भी नजर आती हैं।फिर हाल में कश्मीर में आतंकी हमले के बाद भारत ने कई सख्त प्रतिबंध लगाए हैं, इससे कारोबार जगत पर पडने वाला असर भी गौरतलब होगा। यानि तमाम परिस्थितियों में भी सिर्फ जज्बे और जिद से स्थितियों को पक्ष में करने की जरूरत ही सबसे ज्यादा है।

कश्मीरियों को नहीं पसंद पाकिस्तानियों का दखल

■ ज्योति मल्होत्रा

शायद हमारे इस स्याह काल की सतह पर तैरता एकमात्र हीरा है, करतारपुर साहिब गुरुद्वारे तक जाने वाला गलियारा, जो अभी भी खुला है।

पहलगाम में गत सप्ताह जिस तरह मौत का तांडव मचा, जब आतंकवादियों ने पहचान के आधार पर छांट-छांट कर सैलानियों को गोलियों का शिकार बनाया, उससे किसी सख्त से सख्त दिल तक की रीढ़ में सिहरन दौड़ जाए। इन पर्यटकों में अधिकांश भारत के छोटे शहर जैसे कि शिवमोगा, पनवेल, विशाखापट्टनम, नेल्लोर, थाणे, करनाल, हैदराबाद, भावनगर, लोअर सुबानगिरी के ताजांग गांव, कोझीकोड जैसी जगहों से कश्मीर घूमने आए थे। जन्म से ही हमें बताया जाता है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत एक है। अगर 2008 के मुंबई हमलों का उद्देश्य भारत के वित्तीय राजधानी को पंगु करना और इस तरह भारत को अपने घुटनों पर लाना था, तो बैसरन के अपराधियों का संदेश और भी स्पष्ट है कि मुस्लिम बहुल कश्मीर को सामान्य बनाने की कोशिश न की जाए, जो कि 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' का हृदयस्थल है और यह फलसफा जितना जायज विभाजन के वक्त था, उतना ही आज भी है। हिंदू और मुसलमान अलग-अलग हैं और उन्हें पृथक ही रहना होगा।इसलिए एक पल के लिए भी यह मत सोचिएगा कि कन्नड़, मलयाली, महाराष्ट्रीयन, गुजराती और हरियाणवी कश्मीर के मैदानों में मनमाफिक विचरेंगे और झूठमूठ मान लेंगे कि वे स्विट्ज़रलैंड में सैर कर रहे हैं- हालांकि मानने की बात कि यह इलाका स्विट्ज़रलैंड से कहीं ज्यादा खूबसूरत है- सिर्फ इसलिए कि मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है और इसके वर्तमान को नया स्वरूप प्रदान करना चाहती है।

लेकिन अगर आप इस बारे में विचार करें, तो बैसरन का संदेश वास्तव में काफी अलग है। जिस तरह से कश्मीरी लोग इस नृशंस नरसंहार की निंदा करने के लिए उठ खड़े हुए हैं, उमर अब्दुल्ला से लेकर टट्टू की सवारी करवाकर रोजी-रोटी कमाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के परिवार तक, जिसने एक आतंकवादी के हाथ से बंदूक छीनने की कोशिश की और आतंकी ने उसे मार डाला। इससे यह स्पष्ट संदेश गया कि हफ्ते का दिन कोई भी हो, कश्मीरी आवाम अलगाववाद के प्रयोजन को बढ़ावा देने वाले ढोंगियों की बजाय शांति बनाए रखने को तरजीह देना चाहता है। जब से समूची मुस्लिम बहुल घाटी में 'आज़ादी' के नारे गूंजने के बाद कश्मीरी पंडितों का पलायन हुआ था और बाद के तमाम सालों में विद्रोही गतिविधियां जारी रहीं, 35 वर्षों में यह पहली बार है जब कश्मीर के मुसलमान एक बार फिर से तथाकथित 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के मलबे पर थूक रहे हैं। सबसे पहले उन्होंने यह 1947 में किया था, जिसने घुसपैठिए भेजने वाला नव-स्वतंत्र पाकिस्तान को नाराज़ कर डाला। फिर भारतीय सेना को कारगिल की चोटियों पर काबिज हुए घुसपैठियों की पहली सूचना देकर उन्होंने 1999 में भी यही किया। आज फिर से वही कर रहे हैं।

यह सच है कि 2019 में अनुच्छेद-370 को बहुत ही असहज तरीके से हटाया गया, जिसके कारण बहुत लोगों को कर्फ़्यू के कारण लंबे समय तक अपने ही घरों में कैद रहना पड़ा था। साथ ही, संवैधानिक रूप से गारंटी के रूप में प्रदत्त उनके अधिकारों का हनन का आक्षेप है। लगा कि आम कश्मीरी के पास खुलकर सांस लेने की जगह बहुत कम बची। लेकिन, अंततः मांएं और बच्चे पार्कों में बेधड़क बैठकर दिन भर की घटनाओं पर गप-शप करने की साधारण किंतु कीमती आजादी का अनुभव कर पाए। बच्चे फिर से स्कूल जाने लगे और स्कूल की दीवारें इतनी छोटी हैं कि आप उन्हें अंदर फुटबॉल खेलते हुए देख सकते हैं। श्रीनगर में झेलम के तट पर काले हिजाब में महिलाएं पुरुष साथियों के साथ बैठकर आइसक्रीम का लुत्फ लेते दिखाई देती हैं। शेष हिंदुस्तान अमीर खुसरो की जन्नत की ओर उमड़ने लगा, पिछले साल दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए।

इन दिनों, आत्म-सम्मान, स्वायत्तता और श्रीनगर-जम्मू और दिल्ली के बीच अक्सर तनावपूर्ण संबंधों को लेकर चलने वाली बहस पर ध्यान कुछ हटा हुआ है। फिलहाल जिस मुद्दे पर बहसें होती रहती हैं और जिस पर चर्चा घूम फिर कर वहीं आ जाती है- उसकी वजह मुख्यतः इस तथ्य पर है कि शांतिपूर्ण चुनाव के सात महीने बाद भी जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया। अब जब राज्यवासी भी देश के बाकी हिस्सों के साथ शोक मना रहे हैं, कश्मीरी लोग पाकिस्तानियों से कह रहे हैं कि न सिर्फ़ वे अपने काम से मतलब रखें, बल्कि उनसे दूर रहें और अकेला छोड़ दें।

पाकिस्तान के भीतर की प्रतिक्रिया पर भी ध्यान दें। उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार को भारत के इस आरोप का बचाव करने के लिए विदेशी मीडिया के सामने उतारा गया कि नरसंहार करने वाले आतंकवादी पाकिस्तानी हैं। आरोप नकारने को उन्होंने यह कहकर समाप्त किया कि असली मुद्दा यह है कि 'कश्मीर प्रश्न' एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है और इसे 1949 के संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों के अनुसार हल किया जाना चाहिए। शायद डार ने यह गौर नहीं किया कि इस सप्ताह की शुरुआत में पहलगाम नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन और रोष मार्चों में भाग लेकर कश्मीरियों ने उनके लिए इस प्रश्न को हल कर दिया है, जो 'मेरे नाम पर नहीं' से शुरू हुआ और समाप्त हुआ।

पाकिस्तानी मीडिया भी यही खबरें दे रहा है कि यह एक घरेलू नाकामी छिपाने का 'छद्म अभियान' है, अर्थात्? केंद्र सरकार की घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए भारतीय एजेंसियों ने खुद ऐसा किया। तब तो कोई भी हैरान हो सकता है कि अगर अजमल कसाब जिंदा पकड़ा नहीं गया होता, तो मुंबई हमले का जिम्मेवार कौन होता। वैसे भी, इस कांड के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए पाकिस्तान में कोई कदम नहीं उठाया गया है। 17 साल गुजर चुके हैं, लेकिन इसके मास्टरमाइंड आज भी पाकिस्तान में खुलेआम घूम रहे हैं।

फिर भी, इस बड़े खेल का एक नया अध्याय पहले से ही शुरू हो चुका है। जहां भारत और अमेरिका एक-दूसरे के करीब आ रहे हैं, वहीं गौरतलब है कि चीन ने अभी तक पहलगाम हमले की निंदा नहीं की है, सिवाय भारत में चीनी राजदूत के एक ट्वीट के। स्पष्ट रूप से, चीन दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस मुद्दे पर सघन वार्ता पर नज़र रखे हुए होगा। जैसे-जैसे उनका संकट गहरा रहा है, पाकिस्तानियों को उम्मीद होगी कि अमेरिका मोदी को रोक लेगा, जबकि मोदी संभवतः ट्रम्प को बता चुके होंगे कि वह पाकिस्तान को सबक क्यों सिखाना चाहते हैं। वह यह कब करेंगे, और यह 2019 के बालाकोट जैसे हमले से कितना आगे होगा और क्या कोई दुनिया के सबसे पुराने सीमा विवाद के झमेले में फंसे आम लोगों के बारे में कुछ सोचेगा- ये कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर इन दिनों द ट्रिब्यून के रिपोर्टर खबरें कर रहे हैं।

सबसे ज़्यादा दिल पसीजने वाली कहानियां हैं, सीमा पार विवाह करने वाले और उनके बच्चों की- कहीं पति भारतीय नागरिक तो कहीं पत्नी पाकिस्तानी है- किस प्रकार वे एक ऐसे 'नो मैन्स लैंड' में फंस गए हैं, जो मंटो की कहानी टोबा टेक सिंह में पेश हालात जैसे हैं। शायद हमारे इस स्याह काल की सतह पर तैरता एकमात्र हीरा है, करतारपुर साहिब गुरुद्वारे तक जाने वाला गलियारा, जो अभी भी खुला है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली सरकार

■ योगेन्द्र योगी

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है।

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था। सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है।

गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ़्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते।

इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमज़ोर करने के लिए राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति खतरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

बूढ़े से मत पूछो, पूछना हो तो अनुभवी से पूछो ।
- कहावत

आज का इतिहास

- 1661: चीन के मिंग वंश ने ताइवान पर कब्जा किया।
- 1639: दिल्ली में लाल किले की नींव रखी गई।
- 1813: अमेरिका में जेएफ हम्मेल ने रबर का पेटेंट कराया।
- 1903: महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका के ट्रांसवाल हाई कोर्ट में लीगल प्रैक्टिस शुरू की और वहां ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की ।
- 1930: ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेलीफोन सेवा की शुरुआत।
- 1939: नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया।
- 1978: अफगानिस्तान के विद्रोही गुट ने सत्ता हासिल की। काबुल रेडियो पर घोषणा की गई कि उपराष्ट्रपति, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वायुसेना अध्यक्ष लड़ाई में मारे गए।
- 1991: बांग्लादेश के चटगांव में आए चक्रवाती तूफान में एक लाख 38 हजार लोग मारे गए और 10 लाख लोग बेघर हो गए।
- 1993: पहली बार बकिंघम पैलेस को आम जनता के लिए खोला गया। इसे देखने के लिए आठ पाउंड का टिकट तय किया गया।
- 1997: रासायनिक हथियारों पर प्रतिबंध लागू।
- 1999: बच्चों के यौन शोषण पर रोक संबंधी विधेयक जापानी संसद में मंजूर।
- 2005: सीरिया ने लेबनान से अपनी सेना को वापस बुलाया।
- 2006: पाकिस्तान ने हत्फ-6 का परीक्षण किया।
- 2007: आस्ट्रेलिया ने लगातार तीसरी बार क्रिकेट विश्वकप जीता।

निशाना

है खतरे में जान !

-कृष्णेन्द्र राय

मुल्क छोड़ कर भाग रहा ।
पूरा पाकिस्तान ।।
जनरल, नेता, अफसर ।
है खतरे में जान ।।
परिवारों का अपने ।
बदल रहे ठिकाना ।।
होगा महंगा साबित ।
भरना अब हर्जाना ।।
सिट्टी पिट्टी गुम है ?।
तय कसनी नकेल ।।
किया नहीं अभी कुछ भी पर ।
चर्चा में राफेल ।।
कब तक खैर मनाएगी ?
बकरे की अब अम्मा ।।
पहुंच चुका आदेश ।
है जिसके सब जिम्मा ।।

दिल्ली से पकड़ा 59 लाख की साइबर ठगी केस का मास्टरमाइंड

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

थाना शहर और सायबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से सायबर ठगी के मास्टरमाइंड को पकड़ा है। इस कार्रवाई में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 11 अप्रैल को आवेदक देवेन्द्र सिंह रघुवंशी निवासी शिवनगर त्योंदा रोड द्वारा थाना शहर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि अज्ञात व्यक्ति ने उनसे धोखाधड़ी कर लगभग 59 लाख रुपये की ठगी की है। प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी मनोज कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी योगेन्द्र सिंह परमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई।

तकनीकी साक्ष्यों के आधार फरियादी द्वारा

फर्जी बीमा पालिसी के नाम पर लोगों को प्रलोभन देकर करता था ठगी

शिकायत दर्ज कराने के पश्चात सायबर सेल ने बैंक खातों एवं लेन-देन की गहन जांच की। जिसमें तकनीकी विश्लेषण के दौरान संदेही खातों और मोबाइल नंबरों का पता चला। त्वरित कार्रवाई करते हुए सायबर सेल द्वारा आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज कराया गया। एवं फरियादी को न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत करने हेतु समझाइश दी गई। समस्त कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर, न्यायालय द्वारा फरियादी को राशि लौटाए जाने के आदेश पारित किए गए। पुलिस की प्रभावी कार्यवाही के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर टीम को दिल्ली रवाना किया गया। दिल्ली के सुल्तानपुरी क्षेत्र में आरोपी मोहम्मद अली को उसके निवास स्थान से अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने

अपराध स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी से विस्तृत पूछताछ जारी है।

आरोपी एक निजी कंपनी में एजेंट के रूप में कार्यरत था जो कमीशन के आधार पर काम करता था। आरोपी को ग्राहकों का डाटा बीमा कंपनियों के द्वारा पॉलिसी कराने हेतु उपलब्ध कराया जाता था। आरोपी द्वारा ग्राहकों से बात करने हेतु फर्जी मोबाईल नंबर तथा फर्जी ई मेल आईडी का उपयोग किया जाता था।आरोपी द्वारा फरियादी देवेन्द्र रघुवंशी के नाम पर विभिन्न बीमा पोलिसी कंपनियों भारतीय एक्सा लाइफ इंश्योरेन्स, मेक्स लाइफ इंश्योरेन्स, प्रीमेरिका लाइफ इंश्योरेन्स, स्टार यूनियन दाईची, श्रीराम लाइफ इंश्योरेन्स, कोटक लाइफ इंश्योरेन्स की 13 पॉलिसी तथा फरियादी की पत्नी रीना के नाम पर 5 और बेटे के नाम पर 01 पोलिसी की गई। इस प्रकार फरियादी के परिवार के नाम पर कुल 19 पॉलिसी कीमत लगभग 27 लाख 25 हजार है तथा फरियादी की धनराशि का दुरूपयोग कर अन्य व्यक्तियों के नाम पर आरोपी द्वारा विभिन्न कंपनियों की कुल 19 पॉलिसी राशि लगभग 31 लाख 42 हजार रूपए की गयी है। जहाँ से वह बीमा कंपनियों के नाम पर लोगों को कॉल करता था। फर्जी बीमा पॉलिसी के नाम पर लोगों को झूठे प्रलोभन देकर 10त्न कमीशन कमाने का लक्ष्य रखता था। फरियादियों से फर्जी मेल आईडी, सिम कार्ड एवं मोबाइल नंबरों के माध्यम से संपर्क किया जाता था। फर्जी बीमा पॉलिसी बनाकर, बाद में उन्हें निरस्त कर बीमा राशि को स्वयं के खातों में ट्रांसफर कर लेता था।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र सिंह परमार, उप निरीक्षक लखन कुमार साहू, उप निरीक्षक रितुराज सिंह थाना प्रभारी पथरिया, उप निरीक्षक गौरव रघुवंशी, प्रधान आरक्षक पवन जैन, प्रधान आरक्षक रोहित रैकवार, ,आरक्षक राजू जाट, आरक्षक रूपेश मेहता ,आरक्षक ब्रजेश जैन, आरक्षक अरविंद यादव ,आरक्षक राकेश महोबिया की अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने टीम के इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

कमिश्नर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा-

जिले में लक्ष्य के अनुरूप नहीं हुआ काम भू अर्जन के सभी प्रकरण ऑनलाइन रखें

लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की इस अभियान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि गत 30 मार्च से प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल जिलों में दिए गए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं आई है जो की चिंताजनक है। जल गंगा संवर्धन अभियान सरकार की प्राथमिकता वाला अभियान है और इस अभियान में लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों पर प्कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे। कमिश्नर ने निर्देश दिए की तीनों जिले जल गंगा संवर्धन अभियान में जल दूत बनाने की

कार्रवाई में शत प्रतिशत प्रगति लाए। दिए लक्ष्य से अधिक से अधिक जल दूत बनाएं और सभी जलदूतों का पंजीयन माय भारत ऐप पर करें। कमिश्नर ने कहा कि जल स्त्रोतों पर अतिक्रमण करने वालों को भी प्राथमिकता से चिन्हित किया जाए और अतिक्रमण को हटाकर पुनः जल संरचनाओं को जीवित किया जाए। उन्होंने अमृत सरोवरो को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के भी निर्देश दिए। साथ ही कहां की जिले में जारी जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल करते हुए उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। भू अर्जन एवं वन व्यवस्थापन सहित राजस्व प्रकरणों एवं राजस्व संग्रहण की प्रगति की समीक्षा की एवं निर्देश दिए की भू अर्जन के सभी प्रकरण ऑनलाइन रहे कोई भी प्रकरण ऑफलाइन ना रहे। वन व्यवस्थापन के प्रकरणो में तेज गति से कार्य करने के निर्देश दिए और कहां की राजस्व संग्रहण में भी कलेक्टर्स विशेष प्रयास कर सत प्रतिशत राजस्व वसूली करना सुनिश्चित करें। तिवारी ने कहां की जिलो में बहुतायात में नरवाई जलाने की घटना सामने आ रही है उन्होंने नरवाई जलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए और कहां की नरवाई जलाने वालों पर नियम अनुसार कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाएगा। लोक सेवाओं के प्रदाय की गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने नर्मदापुरम जिले में सीमांकन के 10 प्रकरण जो समय सीमा से बाहर हो चुके हैं उन प्रकरणो के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर पेनाल?टी की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर नल कनेक्शन की स्थिति की समीक्षा की। बताया गया कि हरदा में इस सप्ताह 186, नर्मदापुरम में 444 एवं बैतूल में 576 नल कनेक्शन किए गए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की हरदा जिले को 30 अप्रैल तक शत प्रतिशत हर घर नल कनेक्शन पूर्ण करना है। कमिश्नर ने आगामी ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की एवं निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में आम जनों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े,

कमिश्नर ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की स्थिति की समीक्षा की। बताया गया की नर्मदापुरम में हितग्राहियों के शत प्रतिशत कार्ड बनाए जा चुके हैं। हरदा एवं बैतूल में जल्द ही शत प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति कर ली जाएगी। कमिश्नर ने ज्ञात एवं अज्ञात वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटना में घायल एवं मृतकों के परिजनों को राहत राशि स्वीकृति एवं भुगतान में अनावश्यक देरी करने पर नाराजगी प्रकट की और कहां की सभी एसडीएम ऐसे प्रकरणों को अनावश्यक रूप से पेंडिंग ना रखें और सभी प्रकरणों में राहत राशि तत्काल प्रदान की जाए। उन्होंने आगामी पर्व एवं त्योहार के मद्देनजर जिलो में कानून व व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने ई ऑफिस सिस्टम की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की सभी कार्यालय में ई ऑफिस सिस्टम के अनुसार ही कार्य किया जाए। किसी भी स्थिति में ऑफलाइन फाइल ना ली जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिये कि वह समय-समय पर ई ऑफिस सिस्टम के तहत किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण करें। कमिश्नर ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह मासिक रोस्टर निरीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार इस माह अपने सभी निरीक्षण एवं कार्य को पूरा कर लें।

माता रेणुका की विधि विधान से पूजा

गंजबासौदा। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के चार दिवसीय आयोजन के दूसरे दिन विप्र समाज की माता बहनों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर विधि विधान से माता रेणुका का पूजन अर्चन अभिषेक किया। इस अवसर पर मातृशक्ति को सुहाग सामग्री वितरित की गई। माता रेणुका भगवान परशुराम की माता हैं जिनका विधिविधान से पूजन अर्चन प्रसिद्ध कथावाचक आचार्य पंडित अभिषेक कृष्ण शास्त्री के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शास्त्री ने उपस्थित मातृशक्ति को माता रेणुका जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूजन के लिए माता रेणुका की आकर्षक मिट्टी की मूर्ति का निर्माण कराया गया था। पूजन का प्रारंभ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संतोष शर्मा व उनकी पत्नी द्वारा जोड़े से किया। सभी मातृशक्ति ने विधि विधान से पूजन अर्चन कर माता से कृपा रूपी आर्शीवाद बनाए रखने के लिए प्रार्थना की है। विप्र समाज की माता बहनों ने एकत्रित होकर माता रेणुका के पूजन अर्चन के उपरांत भक्ति भाव से माता रानी के भजन गाए।

धूमधाम से मनेगा परशुराम जन्मोत्सव

गंजबासौदा। विश्व ब्राह्मण समाज एवं अखिल भारतीय सनाढ्य ब्राह्मण परिषद की आवश्यक बैठक भरत पाठक के निवास स्थान पूर्वी रेलवे कॉलोनी में रखी गई है बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ एडवोकेट सुरेंद्र भारद्वाज ने की बैठक में निर्णय लिया गया कि बैठक में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बुधवार को भगवान परशुराम जी की प्रतिमा स्थल श्री शनि देव शक्ति धाम परिसर बरींघाट रोड पर सुबह 11:00 बजे पंडित अरविंद अवस्थी के आचार्यतत्व विधि विधान से पूजन अभिषेक कर मनाया जाएगा एवं प्रसाद वितरण होगा। वहीं सभी वार्डों में ब्राह्मण परिवारों का सर्वे एवं विवाह योग्य युवक युवतियों के बायोडाटा एकत्रित कर फार्म भरे जा रहे हैं। सर्वे पूर्वी रेलवे कॉलोनी क्षेत्र के ब्राह्मण समाज के बंधुजनो ने किया है। पूर्वी रेलवे कॉलोनी क्षेत्र सर्वे करने वाले बंधुओ का सम्मान किया गया एवं विश्व ब्राह्मण समाज पूर्वी रेलवे कॉलोनी क्षेत्र के अध्यक्ष पुरुषोत्तम उपाध्याय को बनाया गया।

पुलिस ने आरोपी को पकड़कर भेजा जेल

तेंदूखेड़ा। 8 माह से फरार 1500 रूपए का ईनामी आरोपी को तेंदूखेडा पुलिस द्वारा टीम गठित कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। साथ ही आरोपी कोर्ट में पेषकर जेल भेजा गया है। ज्ञात हो कि दिनांक 9 जुलाई 2024 को मुखबिर की सूचना पर होण्डा सिटी कार में रखी 4 पेटी देशी प्लेन शराब व 7 पेटी देशी मसाला शराब का अवैध रुप से शराब का परिवहन करते हुए पिड़रई पांजी के आगे, देवरी निजाम पुल के पास. तेन्दूखेड़ा से आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर भाग कार छोडकर भाग गया था पुलिस ने शराब एवं कार की जप्ती बनाई थी। साथ ही थाना तेन्दूखेड़ा में अपराध क्रमाक 332/24 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।

राघव ने गोल्ड, माधव ने कांस्य जीता

गंजबासौदा। केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित 54 वी क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय गंजबासौदा के कक्षा 10 वी के छात्र राघव दुबे ने ग्वालियर में योग विधा में स्वर्ण पदक हासिल किया। अब वह अगस्त माह में हैदराबाद में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हो सकेंगे। इसी तरह केंद्रीय विद्यालय के छात्र माधव दुबे एवं अभय नरवरिया ने इंदौर में आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में में कांस्य पदक हासिल किया। इस जीत पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षकों विद्यार्थियों एवं परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

कांग्रेस ने निकाला केंडल मार्च

सिवनी मालवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पहलगाम में निर्दोष हिन्दुओ से उनका धर्म पूछकर की गयी उनकी जघन्य हत्या के विरोध में स्थानीय गांधी चौक से केंडल मार्च निकालकर जय स्तंभ चौक पर दो मिनिट का मोन रख श्रद्धांजली दी। इस अवसर पर नगरपालिका नेता प्रतिपक्ष अजय पटेल ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों ने हिन्दु पर्यटको से उनका धर्म पूछकर उनकी जघन्य हत्या कर दी है। यह घटना शर्मसार कर देने वाली है। जिसकी हम सभी कड़े शब्दों में निंदा करते है। सरकार से मांग करते है कि ऐसे आंतकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि आगे से कोई ऐसी घिनौनी हरकत नही कर सके। आंतकवदियो द्वारा यह धर्म पूछकर किया गया हत्या काण्ड विश्व की पहली घटना है। जिसमे धर्म पूछकर हत्या की गयी है।

वार्षिकोत्सव में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर में संचालित एम बी के चिल्ड्रंस पैराडाइज स्कूल, तेंदूखेड़ा का वार्षिक उत्सव एवं पुरुस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के हुनर को सबके सामने लाना एवं परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र छात्राओं को मंच पर सम्मानित करना था। कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वती पूजा एवम उनके भक्तिमय नृत्य की प्रस्तुति से गई। कार्यक्रम की खास झलक बुंदेली नृत्य, मां काली एक्ट, सोशल मीडिया एक्ट, देशभक्ति डांस एक्ट आदि रहे। साथ ही एक एक्ट ऐसा भी था जिसमें छोटे छोटे बच्चों द्वारा बाधयंत्र, ढोलक, टिमकी आदि स्वयं बजाकर भजन की प्रस्तुति दी गई। वहीं बच्चों ने भाषण और भारत के सभी राज्य राजधानियों के नाम मंच पर सुनाकर सभी को हैरान कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि नेमचंद साहू,

बाला प्रसाद साहू, अमित जैन, साहित्यकार हैदर हुसैन जाफरी, भूपेंद्र सोनी, पंडित रमेष तिवारी, हरिराम साहू, हिम्मत पाल, डोमल साहू, नरेश जैन,भरत साहू, पुष्पराज यादव, सोनू यादव, फिरोज खान, अनिल चैधरी, उमेश विश्वकर्मा, रामकुमार राय, लोकराम साहू आदि की विशेष भागीदारी रही। अंत में संचालक सोनू साहू ने उपस्थित सभी अतिथि, अभिभावक, शिक्षक स्टाफ, कार्यकर्ताओं व नगर वासियों का आभार व्यक्त किया। आप सबका सदैव आभारी रहूंगा।

नर्मदा नदी से कचरा निकाल कर की साफ सफाई

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जन अभियान परिषद तथा रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी के द्वारा सोमवार को नर्मदा तट के बाबरी घाट पर श्रमदान किया गया। मां नर्मदा के तट पर कल सत्तू अमावस्या के कारण घाट पर बड़ी मात्रा में कचरा फैला हुआ था, जिसको स्वयंसेवकों ने जाकर साफ किया। इस दौरान मां के आंचल से लगे हुए एक बड़े क्षेत्र का पूरा कचरा श्रमदान के माध्यम से साफ किया। लगभग तीन क्विंटल कचरा श्रमदान के दौरान घाट से बीना गया। इस दौरान नर्मदा जी नहाने आए श्रद्धालुओं व अन्य लोगों को घाट पर साफ सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। श्रमदान के बाद श्रम सीकर

नर्मदा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए लोगों को जागरूक किया

के माध्यम से श्रम का महत्व समझा, जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए अभियान को आगे भी जारी रखने पर चर्चा हुई। जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा के मार्गदर्शन में परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, सेवनदास लौवंशी, एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों में देवेंद्र यदुवंशी, अक्षय दामड़े, काजल रघुवंशी, गौरव तंवर, राजेश जाट, रिलाएबल सोशल वेलफेयर सोसायटी तथा नवांकुर संस्था- ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, गाजनपुर के सदस्यों की भूमिका रही।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा बैठक में समस्त विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा

राजस्व मामलों को पोर्टल पर दर्ज करने में कोताही न बरतें अधिकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक के दौरान समस्त विभागों के तहत संचालित योजनाएं, अभियानों सहित सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई, समय सीमा प्रकरण तथा अन्य विभागों कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे सीपीग्राम पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निराकृत करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों को इस दिशा में विशेष सतर्कता बरतनी होगी, क्योंकि वर्तमान में दर्ज शिकायतों की संख्या की तुलना में निराकृत शिकायतों की संख्या कम पाई जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित लंबित शिकायतों का शीघ्रता से परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध और संतोषजनक निराकरण शासन की प्राथमिकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

कलेक्टर ने जिला अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन और समाधान ऑनलाइन पोर्टल के तहत लंबित शिकायतों के शीघ्र एवं प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम सिवनी मालवा, पिपरिया एवं सोहागपुर को विशेष रूप से 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर फोकस करने के लिए कहा। कलेक्टर ने सीएमएचओ, नर्मदापुरम को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्राप्त सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश

दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए सभी संबंधित विभागों को अधिक सतर्कता और योजना बद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब तक की प्रगति संतोषजनक नहीं है और अभियान के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु समर्पित प्रयासों की जरूरत है।

जनपद पंचायतवार अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देशित किया कि अमृत सरोवर एवं खेत तालाब के प्रकरणों में प्रगति लाते हुए अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार कार्य करें।

कलेक्टर ने समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि भू अर्जन से संबंधित समस्त प्रकरणों को आरसीएमएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा वन व्यवस्थापन सहित अन्य भू-अर्जन मामलों को समय-सीमा का पालन करते हुए पोर्टल पर दर्ज करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने समस्त राजस्व अधिकारियों को राजस्व संग्रहण के लिए लक्ष्य निर्धारण करने तथा एक विस्तृत एवं व्यापक कार्ययोजना तैयार कर तत्काल प्रभाव से तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ईई पीएचई को निर्देश दिए की आगामी 31 जुलाई तक सभी नल जल योजना के तहत शेष रह गए कार्यों को शीघ्र ही पूरा किया जाए तथा योजनाओं को चालू करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की जिले में किसी भी स्थान पर पेयजल से संबंधित कोई भी शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित रूप से समस्या का समाधान किए जाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जन्म-मृत्यु की सूचना, अब देनी होगी 7 दिन में, आमजनों को नहीं नए नियम की जानकारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए शासन के द्वारा नवीन नियम लागू किया उसके तहत सात दिवस में इसकी जानकारी संबंधितों को कार्यालय में देनी होगी नहीं देने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा । इसके बारे में रामधन को जानकारी नहीं इस वजह से कई लोग जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए परेशान हो रहे हैं। पहले का नियम 21 दिनों का था जबकि नए आदेश के अनुसार 7 दिवस में है सूचना देना अनिवार्य होगी जिसको लेकर वार्ड नंबर नंबर 5 के पार्षद अजमल शेर

पार्षद ने एसडीएम को आवेदन देकर सार्वजनिक सूचना करवाने की मांग

खान ने एसडीम के नाम आवेदन तहसीलदार संजय चौरसिया को दिया जिसमें कहा गया है कि नगरपालिका कार्यलय में जन्म मृत्यु शाखा से मिली जानकारी के अनुसार जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अब हितग्राहियों को नगरपालिका पालिका में 7 दिवस के अंदर प्रमाण पत्र के लिए आवेदन पत्र देना होगा नहीं तो जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र तहसील लोकसेवा केन्द्र से बनेगें पार्षद ने आवेदन पत्र

में आगे उल्लेख किया है कि नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तो इसके संबंध में जानकारी नहीं है कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए हितग्राहियों को 21 दिवस के अंदर आवेदन पत्र नगरपालिका में जमा करना होता है उसके हिसाब से ही लोग आवेदन कर रहे हैं या नियम कब से लागू हुआ उसके बारे में सभी को सूचना होनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया।शासन ने नये नियम कब से लागू कर दिया है कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 7 दिवस के भीतर सूचना हितग्राहियों को नगरपालिका को देने की जानकारी किसी को भी नहीं है।

आगे बताया कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले हितग्राहियों को परेशानी ना हो इस लिए नगर में इस की सूचना नगर पालिकापरिषद को जनहित एलॉटमेंट से ऐलान कराकर दी जाए एवं परिषद के जनप्रतिनिधियों नगरपालिका के वार्ड प्रभारियों एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके इनको भी इसके बारे में बताया जाए इसके बारे में यह आम जनता तक अपनी बात पहुंचाएंगे लोग समय पर नगर पालिका कार्यालय जाकर अपना काम करवा सके इसके वाद असुविधा का सामना भी शहर वासियों को नहीं करना पड़ेगा जो अभी हो रही है। अजमल शेर खान ने बताया कि सनातन धर्म में मृत्यु उपरांत परिवार के लोग 13 दिवस तक शोक मनाते है,, उनका कहीं भी आना-जाना नहीं होता है, फिर इस प्रकार के नियम से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा। यदि ऐसा आदेश शासन से आया है तो उसकी जानकारी हर व्यक्ति को होनी चाहिए से कि वह अपना काम करवाने की नगर पालिका कार्यालय में सात दिवस के अंदर पहुंच सके।

नए नियम ने बढाई सबकी मुश्किलें

सात दिवस दोनों में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जो नियम शासन के द्वारा जारी किया है इसके संबंध में शहर के लोगों जनप्रतिनिधि तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को भी नहीं है इस वजह से अचानक इसकी जानकारी लोगों को लग रही है तो उनकी चिंताएं बढ़ गई है कि अधिकांश लोग 21 दिवस में ही सूचना की जानकारी होने पर 7 दिन बीत जाने के बाद भी नगर पालिका कार्यालय में जानकारी नहीं दे पाए हैं ।अब इन्हें लोक सेवा केंद्र में पैसे खर्च करके इस काम को करवाना होगा इस वजह से आर्थिक नुकसान के साथ परेशानियों से भी इनको जूझना पड़ेगा ।

गर्मियों में पक्षियों के लिए पानी, मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने रखें जल पात्र

सिरोंज। भीषण गर्मी के कारण सभी को परेशानी हो रही है सबसे ज्यादा परेशानी पशु पक्षियों को हो रही है उनकी चिंता नगर के विद्यार्थी कर रहे हैं इसी क्रम में सोमवार को मॉडल हायर सैकेंडरी विद्यालय के विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिये पानी की व्यवस्था करते हुए जगह-जगह जल पात्र रखे पेड़ पौधों पर उनको पानी मिले इसके लिए निरंतर विद्यार्थी कार्य कर रहे हैं।वी ई ओ उमेश सोनी ने बताया सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी लगातार विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर पक्षियों को गर्मी में पानी का इंतजाम कर रहे हैं जल पात्र रख रहे हैं और इनमें पानी डालने का कार्य भी कर रहे हैं।

सभी शासकीय कार्यालयो में सोलर एनर्जी व रैन वाटर हार्वेस्टिंग स्थापित हो

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान सभी विभागो के अधिकारियों को निर्देश दिए है खासकर शासकीय भवनो में संचालित कार्यालयों की छतो पर अक्षय ऊर्जा (सोलर एनर्जी) की प्लेटो को कुसुम योजना के तहत लगाने का कार्य किया जाए इसके अलावा वर्षारूपी जल अधिक से अधिक भूमिगत हो इसके लिए रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि जिन शासकीय कार्यालयो में ट्यूबबेल से पानी लिया जा रहा है इन ट्यूबबेलो को रिचार्ज करने की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाए ताकि ड्राय होने की अवधि में कमी हो और जलापूर्ति की अवधि बढे। उन्होंने तकनीकी सलाह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से प्राप्त करने की समझाईश दी है।

एसबीआई शाखा में किसानों के साथ किया रहा दुर्व्यवहार, वीडियो वायरल

सिरोंज। लिंक रोड पर संचालित होने वाली एसबीआई शाखा में अधिकांश स्टाफ का व्यवहार ग्राहकों के प्रीति अच्छा नहीं रहता है लगातार यहां से उपभोक्ताओं की संख्या कम हो रही है पर स्टाफ इस बात की कोई चिंता नहीं है सोमवार को बैंक से केसीसी की निकालने के लिए पहुंचे किसान उपभोक्ताओं के साथ अधिकांश स्टाफ गलत व्यवहार करता जिसकी कई बार शिकायत भी हो चुकी है इसके बाद जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसी बात का फायदा उठाकर एक बार फिर गलत व्यवहार बैंक में स्टाफ के द्वारा किया गया जिसका वीडियो बनाकर किसानों ने पागल कर दिया इसमें बैंक के स्टाफ के लोग किसानों से बदतमीजी करते हुए नजर आ रहे हैं । वहीं देखना है कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले में किसानों के साथ अनुचित व्यवहार करने पाली कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के लिए आल अधिकारी कदम उठाएंगे या नहीं।

अति कुपोषित बच्चो को गोद लेने की पहल

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि विदिशा जिले में कुपोषित बच्चो की संख्याओं के मामले में नगण्य हो इसके लिए जिले में चिन्हांकित अतिकुपोषित बच्चों को गोद लेने की पहल की जा रही है। इस कार्य में विभागो के अधिकारियों के साथ-साथ गणमान्य नागरिक, स्वंयसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहभागिता निभा सकते है। कलेक्टर श्री गुप्ता के द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री भरत सिंह राजपूत को दिए गए निर्देशो के अनुपालन में की गई कार्यवाहियों की जानकारियां प्रस्तुत की गई तदानुसार बैठक में बताया गया कि विदिशा जिले में 1536 बच्चे अतिकुपोषण श्रेणी में शामिल है इन बच्चों को तीन माह के लिए गोद लेने का नवाचार किया जा रहा है। गोद लेने के लिए स्वतंत्र है गोद लेने वाले को तीन माह तक एक-एक हजार रूपए की सुपोषित किट गोद लिए बच्चे को प्रदाय करना है ताकि तीन माह के समय अंतराल में विदिशा जिला कुपोषण से विमुक्त हो सकें। गोद लेने, सुपोषित किट के लिए राशि देने की सम्पूर्ण प्रक्रिया ऑन लाइन होगी जिसे जन सामान्य भी अवलोकन कर सकेंगे।

रैम्प योजना के कार्यो की समीक्षा

सिरोंज। कलेक्टर की अध्यक्षता में रैम्प योजना के कार्यो की समीक्षा की गई। उद्योग विभाग के माध्यम से क्रियान्वित उक्त योजना के अंतर्गत विदिशा जिले में एमएसएमई इनोवेशन कम इन्क्यूबेशन सेन्टर की स्थापना के संबंध में चर्चा कर निर्णय लिया गया है। जिसमें मुख्य रूप से होस्ट आकदमिक संस्थान एवं सेक्टर का चयन शामिल है। रैम्प योजना भारत सरकार एवं विश्व बैंक के सहयोग से कोरोना काल के दौरान प्रभावित इकाईयो को पुर्नजीवित करने हेतु चलाई गई है जो एनएसएमई इकाईयो के विकास से संबंधित है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक, उद्योग मित्र एवं विभिन्न आकदमिक संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

वन क्षेत्रों में अवैध कटाई व उत्खनन रोकने रणनीति बनाएं : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में वन विभाग की जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी, वन मण्डलाधिकारी हेमंत यादव के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता को वन मण्डलाधिकारी द्वारा महत्वपूर्ण जानकारियां सांझा की जिसमें समस्याओं के अंतर्गत असंगठित अवैध कटाई एवं परिवहन, संगठित अवैध उत्खनन और वन क्षेत्रो के अतिक्रमण की जानकारियां गूगल शीट के माध्यम से प्रस्तुत की। बैठक में टॉस्क फोर्स हेतु शासन स्तर से प्राप्त दिशा निर्देशो से अवगत कराया गया वहीं जिले में अवैध कटाई के लिए संवदेनशील परिक्षेत्र लटेरी, उत्तर, दक्षिण , शमशाबाद एवं ग्यारसपुर क्षेत्रो में अवैध कटाई रोकने के लिए निगरानी के लिए किए जा रहे प्रबंधो पर तकनीकी सहायता के संबंध में जानकारी दी गई।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि वन क्षेत्रो के आदिवासियों को शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए जनजागरूकता कार्यो पर अधिक से अधिक बल देने तथा बीट गार्डो की बैठक आयोजित कर शासन की मंशा से अवगत

कराते हुए क्रियान्वित किया जाए। उन्होंने वन क्षेत्रो की चुनौतियां, संगठित अपराध, अंतर जिला एवं अंतर्राजीय चुनौतियों के समाधान हेतु अन्य जिलो से परस्पर समन्वय स्थापित कर छापामार कार्यवाही की जाए। वन क्षेत्र के रहवासियों को रोजगार के संसाधनो की पूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए जिले में पृथक से नवाचार की पहल की जाए जो स्थानीय आवश्यकताओं की पूर्ति को ही ध्यानगत रखते हुए स्वरोजगारमुखी योजनाओं से लाभांवित कराने के प्रयास किए जाएं। चोरी के वाहनो व मोटर साइकिलो के उपयोग को रोकने के लिए जिला परिवहन अधिकारी की मदद से जांच पड़ताल कर बिना कागज पत्रक के वाहनो को राजसात करने की कार्यवाही की जाए।

वन क्षेत्रो की समस्याओं के समाधान हेतु जनजागरूकता, स्वरोजगारमुखी कार्यो के अलावा अवैध उत्खनन की निगरानी के दायित्व सौंपने तथा सीसी कैमरो के माध्यम से खदानो की निगरानी करने, संयुक्त समन्वय से अतिक्रमण बेदखली की कार्यवाही इत्यादि बिन्दुओं की जानकारियां प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर श्री गुप्ता और पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी ने संयुक्त रूप से जिले में अवैध वनो की कटाई रोकने तथा उत्खनन के कार्यो पर पूर्ण विराम लगाने के लिए संयुक्त कार्यवाही पर विशेष बल देते हुए कहा कि आवश्यकता के अनुसार सुरक्षा बल उपलब्ध कराया जाएगा वहीं सूचना तंत्रो के उन्नत पर विशेष ध्यान देने की बात कही है।

लंबित आवेदनो की गहन समीक्षा : एल वन के जबावो को एल टू पर कॉपी पेस्ट ना करें : कलेक्टर

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने सोमवार को लंबित आवेदनो की गहन समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य प्राप्त पत्रो के संदर्भ में विभागो के अधिकारियों द्वारा क्या-क्या कार्यवाही की गई कि अद्यतन जानकारियां प्रस्तुत की गई। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो के जबावो का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभागो के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि एल वन स्तर के अधिकारियों द्वारा जो जबाव दाखिल किया जाता है उसे एल टू अधिकारी कॉपी पेस्ट ना करें। एल वन के जबाव से यदि आप संतुष्ट है तो उन कारणो को रेखांकित करें। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनो का मतलब यह नहीं की शिकायतो को हम बंद करें। विभागीय अधिकारी सभी आवेदनो को पूर्ण गंभीरता के साथ अध्ययन कर सटीक जबाव सीमित शब्दो में दर्ज करना सुनिश्चित करेंगे। परीक्षण के दौरान जबावो में कोताही परलिक्षित होने अथवा आश्वासन संबंधी शब्दो का उपयोग कदापि ना करें। कलेक्टर ने कहा कि मैं स्वंय हर रोज कम से कम पांच आवेदनो का अवलोकन करता हूँ। इसी प्रकार सभी विभागो के अधिकारी अवलोकन करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में सौ दिवस के आवेदक अब तक निराकृत नहीं होने को गंभीरता से लेते हुए समस्त एसडीएम और विभागो के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि विशेष शिविर आयोजित कर आवेदनो के निराकरण की पहल करें। इन शिविरो में आवेदकगणों की भी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। बैठक में बताया गया कि ग्रेडिंग माह मार्च के 9838 आवेदनों का निराकरण किया जाना है। सोमवार 28 अप्रैल की स्थिति में जारी ग्रेडिंग सूची में विदिशा प्रदेश में छटवें स्थान पर है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने लंबित आवेदनो के निराकरणो पर विशेष ध्यान देने पर बल देते हुए कहा कि हमारा उद्धेश्य संतुष्टिपूर्वक समाधान करना होना चाहिए। बैठक में विभागवार अद्यतन जानकारियां पावर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएमएमयू, सीएम राइज स्कूल, उपार्जन कार्य, आदर्श ग्राम पंचायतो, नलजल योजनाएं, पीएम जनमन, उपार्जन, भण्डारण एवं वितरण, जल मिशन के कार्य, स्वास्थ्य विभाग के कार्य व आयुष्मान पखवाडा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न का उठाव एवं वितरण की स्थिति, खनिज, परिवहन, आबकारी एवं पंजीयन विभाग की राजस्व प्राप्ति और उनके साप्ताहिक निरीक्षण कार्यो की जानकारियां प्राप्त की गई है। बैठक में आंगनबाडी भवनो, एएनसी पंजीयन, सीएम राइज स्कूल भवनो की प्रगति, संजीवनी क्लिनिक, पीएम विश्वकर्मा योजना, सीखो कमाओ योजना, स्वामित्व योजना तथा खाद्य सुरक्षा सेम्पलिंग व पांच वर्ष तक के बच्चो के आधार कार्ड बनाए जाने तथा अवैध कालोनियों पर की जा रही कार्यवाही इत्यादि की भी समीक्षा की गई है। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोड़िया के अलावा संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें। वहीं अनुविभागीय अधिकारियों समेत अन्य खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया गया।

खेल शिविरो में शासकीय संस्थानो के बच्चे शामिल हो

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने ग्रीष्मकालीन खेल शिविरो के आयोजन का कैलेण्डर तैयार करने के निर्देश जिला खेल अधिकारी को दिए है। उन्होंने कहा कि खेल शिविरो में जिले की सभी शासकीय संस्थानो के बच्चों को उनकी इच्छा अनुसार उन खेलो में शामिल होने की सुविधा दी जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने खेल कैलेण्डर की जानकारियां स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग के साथ-साथ आदिम जाति कल्याण विभाग और आईटीआई संस्थानो को उपलब्ध कराई जाए।

कन्यादान योजना सम्मेलन में प्रशासन करेगा नवाचार , लगाए जाएंगे स्टॉल

सिरोंज। अक्षय तृतीया पर मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत विवाह निकाह योजना के तहत सम्मेलन का आयोजन कृषि उपज मंडी के परिसर में किया जाएगा सम्मेलन के लिए 363 ने पंजीयन करवाए है। जिसकी व्यवस्थाओं के संबंध में सोमवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने कृषि उपज मंडी के परिसर में विभाग प्रमुखों की बैठक लेते हुए सभी जरूरी इंतजाम अच्छे से करने के निर्देश देते हुए कहा कोई कमी ना रहे गर्मी को ध्यान में रखकर पानी ओर छाया की व्यवस्था भी की

जाए बर वधू के साथ इनके साथ आने वाले मेहमानों को भी परेशानी न हो इसके अलावा सम्मेलन में इस बार प्रशासन नवाचार भी करेगा यहां पर शासन की सभी योजना से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे जहां पर पत्र लोगों को लाभान्वित करने के लिए कार्य होगा इसके अलावा ई केवाईसी के साथ फार्मर रजिस्ट्री पर भी विशेष फोकस किया जाएगा। एसडीम ने बताया कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग आते हैं इनको शासन की योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए हम नवाचार करेंगे सभी विभागों की योजना की जानकारी प्रदान करेंगे और जो पात्र लोगों लाभान्वित भी करेंगे साथ ही मुख्य रूप से इ-केवाईसी के साथ फार्मर रजिस्ट्री बनाने का काम तत्काल किया जाएगा इसके संबंध में दिशा निर्देश भी विभाग प्रमुखों को दे दिए हैं।

मेट्रो एंकर जल गंगा संवर्धन अभियान के हुए कई कार्य, कहीं बावड़ी साफ की गई तो कहीं नहर की सफाई की गई

ग्यारसपुर की प्राचीन खड़ाऊ बावड़ी में श्रमदान, कचरा और गंदगी को किया साफ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विदिशा जिले में जल स्त्रोतों को संवारने का कार्य सतत जारी है जिला प्रशासन द्वारा यह कार्य किया जा रहा है।

जिला प्रशासन तथा कलेक्टर से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में आज जन अभियान परिषद द्वारा ग्यारसपुर में श्रमदान कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। श्रमदान कार्य में जन अभियान परिषद के साथ.साथ ग्रामीण जनों ने भी सहभागिता की है। जिसके तहत बाजारा मठ के

समीप प्राचीन खड़ाऊ बावड़ी पर पहुंचकर सभी सीएमसी एलडीपी छात्रों एवं परामर्श दाताओंए नवांकुर संस्थाओं और ग्रामीण जनो के सहयोग से बावड़ी में श्रमदान कर सीढ़ियों की साफ.सफाई की गई और बावड़ी के आस.पास फैली खरपतवारए कचरा व गंदगी को साफ कर साप्ताहिक श्रमदान का संकल्प लिया गया।

नहर की सफाई की गई

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कलेक्टर के निर्देशों के अनुपालन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित नहरों को साफ-स्वच्छ करने का कार्य भी संबंधित विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसी के तहत आज सम्राट अशोक सागर डैम आरबीसी की डी वन नहर को साफ-स्वच्छ करने के कार्यों का संपादन विभागीय अधिकारियों के नेतृत्व में किया गया है। विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों सहित ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों ने भी नहर को साफ-स्वच्छ करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कराई है। सम्राट अशोक सागर डैम की डी वन नहर के आसपास फैली खरपतवार, अनावश्यक रूप से उगे हुए पेड़ पौधे, कचरा और गंदगी को फावड़े की मदद से तगाड़ियों में एकत्रित कर साफ किया गया है, ताकि नहर से गुजरने वाला पानी अन्य खेतों में भी पहुंच सके और नहर का पानी अन्य कृषकों के खेतों में पहुंचने में किसी भी प्रकार का कोई व्यावधान उत्पन्न ना हो।

प्याऊ स्थापित कर अभियान का प्रचार-प्रसार किया

विदिशा जल गंगा संवर्धन अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार जल की महत्वता को रेखांकित कर विदिशा जिले में किया जा रहा है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशन में अभियान के प्रचार-प्रसार और जल स्त्रोतों को संवारने के उद्देश्य से विशेष पहल करते हुए लटेरी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सुनखेर में पीने के प्याऊ की व्यवस्था कर जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रचार किया जा रहा है। इस गांव में आम नागरिकों, राहगीरों व ग्रामीण जनों के पीने के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था प्याऊ स्थापित कर की गई है। इस प्याऊ में रखे गए मटकों पर जल गंगा संवर्धन और जल ही जीवन है के स्लोगन लिखकर जल संरक्षण करने का संदेश दिया गया है।

देखन में छोटा लगे घाव करें गंभीर... आरआर के 14 वर्षीय वैभव ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

सचिन-युवराज जैसे दिग्गज सूर्यवंशी के हुए मुरीद; मिली शाबाशी

एजेंसी, जयपुर

देखन में छोटा लगे घाव करें गंभीर...! राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सोमवार को अपनी उम्र से ज्यादा बड़ा कारनामा कर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में महज 35 गेंदों में शतक जड़कर पूर्व भारतीय बल्लेबाज यूसुफ पठान का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। उनकी इस पारी ने सचिन तेंदुलकर से लेकर युवराज सिंह तक, सभी क्रिकेटर्स को अपना मुरीद बना लिया।

आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज - वैभव की उम्र 14 साल 32 दिन है, लेकिन उन्होंने यूसुफ पठान का 15 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। 2010 में यूसुफ पठान ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 35 गेंदों पर शतक लगाया था और वह इस टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय थे। उनका यह रिकॉर्ड अब 2025 में टूटा है। यानी वैभव का जब जन्म भी नहीं हुआ था, उस वक्त यूसुफ ने यह कारनामा किया था और अब बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने अपनी उम्र से भी ज्यादा का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ओवरऑल आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 30 गेंदों पर शतक लगाया था।

यूसुफ पठान ने की तारीफ

अपना 15 वर्ष पुराना रिकॉर्ड टूटने पर यूसुफ पठान ने प्रतिक्रिया दी। पूर्व खिलाड़ी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर वैभव की तारीफ करते हुए लिखा- वैभव सूर्यवंशी को भारतीय द्वारा सबसे तेज आईपीएल शतक का मेरा रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बहुत-बहुत बधाई। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए ऐसा होते देखना और भी खास है। युवाओं के लिए इस फेंचाइजी में वाकई कुछ जादुई है। अभी बहुत आगे जाना है, चैंपियन।

सचिन भी हुए मुरीद

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी खुद को वैभव की तारीफ करने से नहीं रोक पाए। उन्होंने युवा बल्लेबाज के निडर दृष्टिकोण की तारीफ की। सचिन ने कहा- वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्ले की गति, शुरुआत में ही लेंथ को पहचानना और गेंद के पीछे ऊर्जा का हस्तांतरण करना एक शानदार पारी का नुस्खा था। अंतिम परिणाम- 38 गेंदों पर 101 रन।

युवराज सिंह ने भी की तारीफ

पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह भी वैभव की शानदार पारी से प्रभावित होकर खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा- 14 साल की उम्र में आप क्या कर रहे थे? यह बच्चा बिना पलक झपकाए दुनिया के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों का सामना कर रहा है! वैभव सूर्यवंशी - नाम याद रखें! निडर रवैये के साथ खेलना! अगली पीढ़ी को चमकते हुए देखकर गर्व होता है!

टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे युवा

वैभव टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज हैं। उन्होंने 14 साल 32 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। वैभव ने महाराष्ट्र के विजय जोल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 18 साल 118 दिन की उम्र में टी20 में शतक लगाया था। विजय ने 2013 में टी20 में शतक लगाया था। वैभव ने गुजरात के खिलाफ 17 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और फिर शतक पूरा करने के लिए अगले 18 गेंद लिए। वैभव शतकीय पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने महज 38 गेंदों में 265.78 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 101 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और 11 छक्के निकले।

दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी का नापाक चेहरा किया उजागर

इस्लाम अपनाने का दबाव डाला

एजेंसी, नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकी हमले पर पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी ने कई बेतुके बयान दे डाले हैं। उन्होंने भारत से हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का सबूत तक मांग दिया। अफरीदी के बयान की खूब आलोचना हो रही है। इसी कड़ी में पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने अफरीदी पर हमला बोला है और उनका नापाक चेहरा उजागर किया है। कनेरिया ने कहा कि पाकिस्तान टीम में अफरीदी ही वह शख्स थे, जिन्होंने उन पर इस्लाम अपनाने का दबाव डाला और यहां तक कि साथ खाना खाने से इनकार कर दिया। पहलगाम हमले में आतंकियों ने 26 बेगुनाहों की निर्मम तरीके से हत्या की थी।

दरअसल, पहलगाम आतंकी हमले पर अफरीदी ने एक के बाद एक कई बेतुके बयान दिए हैं। उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, यह बेहद निराशादजनक है कि भारत ने एक बार फिर बिना किसी सबूत के दोषारोपण का सहारा लिया है। इस तरह की कार्रवाई केवल तनाव बढ़ाती है और क्षेत्र में शांति प्रयासों को बाधित करती है। अफरीदी ने कहा कि आरोप-प्रत्यारोप का खेल खेलने की बजाय भारत को बातचीत में भाग लेकर मसलों को सुलझाना चाहिए और क्रिकेट को राजनीति से अछूता रखना चाहिए। उन्होंने कहा, आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता बातचीत है। हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप का खेल स्थिति को और बिगाड़ेगा। खेल, विशेषकर क्रिकेट सभी राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होने चाहिए।

अफरीदी ने भारतीय मीडिया से लेकर सेना तक पर बेतुके बयान दिए

अफरीदी ने पाकिस्तानी मीडिया के सामने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। उन्होंने बेतुका दावा करते हुए कहा था कि हमला हुआ नहीं कि 10 मिनट के अंदर नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को इस हमले के लिए जिम्मेदार ठहरा दिया। इस्लाम शांति से रहना सिखाता है। पाकिस्तान इस तरह की हरकतों का समर्थन नहीं करता है। भारत को खुद को दोषी ठहराना चाहिए। वहां अगर पटाखा भी फट जाता है तो आरोप पाकिस्तान पर लगता है। इसके बाद अफरीदी ने भारतीय मीडिया पर भी बेबुनियाद आरोप मढ़े। उन्होंने कहा, हैरानी की बात है कि हमले के एक घंटे के अंदर ही उनका मीडिया बॉलीवुड में बदल गया। हर चीज को बॉलीवुड मत बनाओ। मैं हैरान हो गया, जिस तरह की वो बातें कर रहे थे। मैंने कहा देखो इनकी सोच, ये अपने आप को पढ़े लिखे लोग कहते हैं। हर टीवी चैनल पर पाकिस्तान पर बिना किसी सबूत के इल्जाम लगाए जा रहे थे। अफरीदी यहीं नहीं रुके उन्होंने फिर मीडिया से बात करते हुए भारतीय सेना को लेकर भी बेतुके और बेबुनियाद बयान दिए।

दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी को लताड़ा

अब उनके बयानों पर दानिश कनेरिया ने तीखा हमला बोला है। कनेरिया ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) का सहारा लेते हुए अफरीदी को लतेड़ा है। कनेरिया ने लिखा, उन्होंने लगातार खुद को चरमपंथी विचारों के साथ जोड़ रखा है। मेरी राय में उन्हें भारतीय टेलीविजन या देश (पाकिस्तान) के भीतर मंच नहीं दिया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने मुझे इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मनाने की कोशिश की और मेरे साथ खाना खाने तक से इनकार कर दिया, जो मुझे बेहद अपमानजनक लगा। कनेरिया ने इससे पहले भी पहलगाम हमले को लेकर पाकिस्तान पर जमकर इल्जाम लगाए थे। यहां तक कि पाकिस्तानियों ने उन पर पाकिस्तान से खेलने और उसी पर इल्जाम लगाने के आरोप लगाए थे।

कनेरिया ने लिखा- मैं हिंदू हूं और मुझे इस बात पर गर्व है

24 अप्रैल को एक ट्वीट का जवाब देते हुए कनेरिया ने लिखा, मैं हिंदू हूं। मुझे इस बात पर गर्व है। एक हिंदू के रूप में मैंने उस देश के लिए सेवा की और खेला जहां मैं पैदा हुआ, क्योंकि दुनिया में हिंदू चाहे कहीं भी रहें, वे अपने देश के प्रति वफादार और समर्पित रहते हैं। पाकिस्तान के लोगों ने मुझे प्यार दिया, लेकिन उसके शासकों ने मेरे साथ वैसा ही व्यवहार किया जैसा उन्होंने विभाजन के बाद से मेरे हिंदू भाइयों और बहनों के साथ किया था। इसके बाद उन्होंने एक और ट्वीट किया और लिखा, जब पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री आतंकवादियों को स्वतंत्रता सेनानी कहते हैं, तो यह न केवल अपमानजनक है, बल्कि यह राज्य-प्रायोजित आतंकवाद की खुली स्वीकारोक्ति है।

वह मनोरंजन का विषय नहीं

बुमराह की पत्नी संजना ने बेटे को ट्रोल करने वालों की लगाई क्लास

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में हार्दिक पांड्या की टीम मुंबई इंडियंस ने ऋषभ पंत की अगुआई वाली लखनऊ सुपर जाएंट्स को करारी शिकस्त दी। इस मैच को देखने के लिए और मुंबई इंडियंस का समर्थन करने के लिए जसप्रीत बुमराह की पत्नी संजना गणेशन भी स्टेडियम में मौजूद थीं। संजना की गोद में उनका बेटा अंगद भी था। हालांकि, अब इसके लिए बवाल हो गया है। अंगद को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया और इस पर संजना भड़क गईं। उन्होंने ट्रोल करने वालों को खरी खोटी सुनाई है। संजना ने कहा है कि अंगद ट्रोल्स के मनोरंजन का विषय नहीं हैं। बुमराह ने मैच में चार विकेट लिए और अपनी टीम के लिए गेम-चेंजर साबित हुए। मैच के दौरान लखनऊ की पारी के 15वें ओवर में जब बुमराह ने आवेश खान को क्लीन बोल्ड किया तो कैमरा स्टैंड्स में बैठीं संजना और उनकी गोद में मौजूद अंगद की ओर घूमा। संजना ने खुशी में अंगद का हाथ पकड़कर उनसे ताली भी बजवाई। यह क्यूट वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि, अंगद की क्यूटनेस की तारीफ की बजाय ट्रोल्स ने उन्हें निशाना बना लिया। अंगद के इस तीन सेकंड के वीडियो पर ट्रोल्स के पोस्ट पर बुमराह की पत्नी संजना ने अपना आपा खो दिया।

आईपीएल में आज केकेआर बनाम डीसी

नाइट राइडर्स के खिलाफ बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी पर होंगी दिल्ल कैपिटल्स की नजरें

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग में आज मंगलवार को यहां जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेंगे तो टीम की नजरें बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी पर टिकी होंगी। दिल्ली को अपने पिछले चार मैच में दो हार का सामना करना पड़ा है जिसमें रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मिली हार भी शामिल है और टीम लीग चरण के अंतिम मुकाबलों में लड़खड़ाने से बचना चाहेगी। शीर्ष क्रम में अभिषेक पोरेल ने आक्रामक तेवरों के साथ बल्लेबाजी की है लेकिन वापसी करने के बाद अनुभवी फाफ डु प्लेसी को अरुण जेटली स्टेडियम की धीमी प्रकृति की पिच पर जूझना पड़ा और उन्हें जल्द से जल्द इससे सामंजस्य बैठाना होगा। लोकेश राहुल मौजूदा सत्र में दिल्ली के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं लेकिन रविवार को स्पिनरों के खिलाफ तेजी से रन जुटाने में नाकाम रहे। वह सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की अनुभवी स्पिन जोड़ी के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

केकेआर के पास स्तरीय स्पिनर हैं जो मेजबान टीम को कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ वर्षा से प्रभावित मैच में जूझने के बाद नाइट राइडर्स का आत्मविश्वास थोड़ा कम होगा। दिल्ली को करुण नायर से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी जिससे कि मध्य क्रम में सारा बोझ राहुल पर नहीं आए। गेंदबाजी विभाग में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने पिछले मैच में दो विकेट चटकाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से समर्थन नहीं मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ विकेट चटकाने में नाकाम रहे स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपनी पूर्व टीम केकेआर की कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे जबकि बीच के ओवरों में कुलदीप यादव ने लगतार अच्छा प्रदर्शन किया है।

टीम इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोको राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिज्वी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जाधव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिकू सिंह, क्विंटन डिकॉक, रहमानुल्लाह गुरबाज, अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पावेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसोदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोईन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नोर्किया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हिंषत राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मुंबई छोड़ गई कार्तिक की हीरोइन, ब्लॉकबस्टर फिल्म निर्देशक के संपर्क के सारे प्रयास विफल

भारतीय सिनेमा में सांवली, सलोनी और सुंदर सी हीरोइन की तलाश इन दिनों जिस एक अभिनेत्री पर आकर रुक जा रही है, वह हैं अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे। रवि तेजा की फिल्म 'मिस्टर बच्चन' में लीड हीरोइन बनकर चर्चा में आईं भाग्यश्री फिल्म 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक आर्यन की हीरोइन के तौर पर नजर आ चुकीं हैं। भाग्यश्री बोरसे को अपनी अगली फिल्म में लीड रोल देने के लिए एक सीक्वल फिल्म के निर्देशक खासे उत्साहित हैं। लेकिन, भाग्यश्री बोरसे से इन दिनों मुंबई में किसी का न फोन के जरिये संपर्क हो पा रहा है और न ही सोशल मीडिया के जरिये। उनके करीबी बताते हैं कि भाग्यश्री ने हाल ही में साउथ सिनेमा के तीन दिग्गज अभिनेताओं दुलकर सलमान, विजय देवराकोंडा और राम पोथिनेनी के साथ तीन अलग-अलग फिल्में साइन की हैं। अब वह अगले दो साल तक कोई नई हिंदी फिल्म साइन नहीं कर पाएंगी। दुलकर सलमान की फिल्म 'कांता' के निर्माताओं में राणा दग्गूबाती भी शामिल हैं जिनकी तैयारी इस फिल्म को पैन इंडिया फिल्म बनाने की भी है। साल 2023 की एक ब्लॉकबस्टर हिंदी फिल्म निर्देशित करने वाले निर्देशक चाहते हैं कि भाग्यश्री को वह धूमधाम से हिंदी सिनेमा में बतौर लीड हीरोइन लॉन्च करें, लेकिन भाग्यश्री बोरसे को काम देखने वाली टीम ने हिंदी सिनेमा के किसी भी निर्देशक-निर्माता का उन तक पहुंचना मुश्किल बना दिया है।

सेबी ने पटेल वेल्थ एडवाइजर्स को मार्केट से बैन किया

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

सेबी ने शेयर बाजार में निवेशकों को फंसाने के लिए फर्जी ऑर्डर लगाकर गैरकानूनी मुनाफा कमाने वाली कंपनी का खुलासा किया है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने पटेल वेल्थ एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को ऑर्डर स्पूफिंग (धोखाधड़ी) के आरोप में ट्रेडिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए 3.22 करोड़ रुपए की अवैध कमाई वापस देने का अंतरिम आदेश दिया है। साथ ही कंपनी के 4 डायरेक्टर्स को भी शेयर बाजार से बैन कर दिया गया है। सेबी ने ये कार्रवाई अंतरिम आदेश (बिना दोषियों की सुनवाई) के जरिए की है। अब कंपनी की डीटेल्ड जांच की जाएगी।

3 पॉइंट में समझें पूरा मामला

- पीडब्ल्यूएपीएल ने शेयर बाजार में 2019 से 2025 तक 173 कंपनियों में 292 दिन तक पर फर्जी ऑर्डर लगाए।
- झूठे आर्डर के कारण कंपनियों के शायरों में नकली तेजी बनी। इस कारण निवेशकों को लगा कि शेयर की मांग बढ़ गई है और रिटेलर्स ने इन्वेस्टमेंट किया।
- शेयर के दाम बढ़ने के बाद आरोपियों ने झूठे आर्डर कैंसिल कर 3.22 करोड़ रुपए की मुनाफा वसूली की। इस तरह निवेशकों के साथ कुल 621 बार यह धोखाधड़ी की गई।

15 दिन के अंदर लौटाने होंगे पैसे

सेबी ने पीडब्ल्यूएपीएल को 15 दिनों के भीतर 3.22 करोड़ रुपए, 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ वापस लौटाने का आदेश दिया है। पीडब्ल्यूएपीएल को अपने खाते से ट्रेडिंग करने पर रोक लगा दी गई है। इसी के साथ कंपनी के डायरेक्टर्स राहुल पटेल, निकुंज पटेल और हर्ष पटेल को किसी भी स्टॉक ब्रोकर या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर से जुड़ने से प्रतिबंधित किया गया।

मामले में सेबी के होल-टाइम मेंबर कमलेश वार्ष्णेय ने कहा कि पीडब्ल्यूएपीएल ने बाजार की कीमतों को मनमाने ढंग से प्रभावित कर निवेशकों को धोखा दिया है। यह

फ्रैंचाइजी किंग अजय देवगन की रेड 2 भी होगी हिट?

एडवांस बुकिंग में मिली सॉलिड शुरुआत

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की नई फिल्म रेड 2 अब थिएटर्स में पहुंचने के लिए तैयार है। फिल्म के टीजर और ट्रेलर को ऑडियंस से ठीकठाक रिस्पॉन्स मिला था। लेकिन इसके गाने जनता में कुछ खास पसंद नहीं किए गए। अब फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है और सारी नजरें इस बात पर रहेंगी कि रेड 2 बॉक्स ऑफिस पर किस तरह परफॉर्म करती है।

लॉकडाउन के बाद ऑडियंस की चॉइस काफी बदली है और अब सीक्वल्स भी बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी की गारंटी नहीं नजर आ रहे। लेकिन अजय देवगन बॉलीवुड के वो ए-क्लास एक्टर हैं जो काफी पहले से कई फ्रैंचाइजी फिल्मों का वजन बॉक्स ऑफिस पर पूरी कामयाबी से उठा रहे हैं। 2008 में गोलमाल रिटर्न्स के साथ अजय ने पहली बार अपनी किसी फिल्म का सीक्वल किया। ये उनकी सरप्राइज कॉमेडी हिट गोलमाल का सीक्वल थी। जहां पहली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 2.32 करोड़ रुपये की ओपनिंग की थी, वहीं दूसरी फिल्म को 5.89 करोड़ की ओपनिंग मिली। दोनों फिल्मों के बीच केवल दो ही सालों का अंतर था लेकिन ओपनिंग में बड़ा फर्क आया। गोलमाल रिटर्न्स के दो ही साल बाद इसका सीक्वल गोलमाल 3 भी आ गया जिसकी ओपनिंग 8 करोड़ रुपये थी।

सिर्फ ओपनिंग कलेक्शन ही नहीं, इन फिल्मों की टोटल कमाई भी बढ़ी। पहली गोलमाल फिल्म अपने समय में अजय की सबसे बड़ी फिल्म थी। इसका टोटल कलेक्शन 29 करोड़ से थोड़ा ज्यादा था। दूसरी फिल्म से अजय ने पहली बार बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ का आंकड़ा पार किया था। जबकि तीसरी फिल्म अजय के करियर में पहली 100 करोड़ वाली फिल्म थी।

कैसी चल रही रेड 2 की एडवांस बुकिंग?

बॉक्स ऑफिस पर अजय की कामयाबी में उनकी फ्रैंचाइजी फिल्मों का बहुत बड़ा रोल रहा है। और शायद यही वजह है कि उन्होंने बॉलीवुड के किसी भी दूसरे टॉप एक्टर से ज्यादा फ्रैंचाइजी फिल्में की हैं। सिंघम-दृश्यम-गोलमाल के साथ ही वो अपनी फिल्मों टोटल धमाल, सन ऑफ सरदार और दे दे प्यार दे का भी सीक्वल लेकर आने वाले हैं। जबकि रेड 2 बस कुछ ही दिन में थिएटर्स में पहुंचने ही वाली है जिसके लिए एडवांस बुकिंग शुरु हो चुकी है। अजय की फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग हाल ही में शुरू हुई और शुरुआत में इसे ठीकठाक रिस्पॉन्स मिलता नजर आ रहा है। सैकनिल्क के अनुसार, रेड 2 के लिए सोमवार दोपहर तक 33 हजार से ज्यादा टिकट एडवांस में बुक हो चुके हैं। इस बुकिंग से फिल्म ने 1 करोड़ रुपये से ज्यादा एडवांस ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। ब्लॉक सीट्स के साथ ये कलेक्शन 2 करोड़ से थोड़ा ज्यादा है।

अडाणी टोटल गैस का चौथी तिमाही में मुनाफा 8% घटा

मुंबई ,एजेंसी। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी टोटल गैस लिमिटेड की चौथी तिमाही में कुल कमाई यानी टोटल इनकम 1,462 करोड़ रुपए रही। ये पिछले साल की तुलना में 15 फीसदी ज्यादा है। कंपनी की इस कमाई में ऑपरेशन से रेवेन्यू 7,453 करोड़ रुपए रहा। वहीं जनवरी से मार्च तिमाही में कंपनी का टोटल खर्च 1,264 करोड़ रुपए और टोटल टैक्स 49.08 करोड़ रुपए रहा। टोटल इनकम में से खर्च, टैक्स और अन्य खर्चे घटा दें, तो कंपनी को चौथी तिमाही में 155 करोड़ रुपए का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ। ये पिछले साल की तुलना में 8 फीसदी घटा है। यानी कंपनी की कमाई के साथ मुनाफा भी बढ़ा है। अडाणी टोटल गैस ने सोमवार (28 अप्रैल) को जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या रहा?- अगर आपके पास अडाणी टोटल गैस के शेयर हैं, तो कंपनी के बोर्ड ने शेयरधारकों को प्रति शेयर 25 पैसे के डिविडेंड (लाभांश) को भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

इस साल में अब तक शेयर का परफॉर्मेंस कैसा रहा?- अडाणी टोटल गैस का शेयर आज 3 फीसदी की तेजी के साथ 617.75 रुपए पर बंद हुआ। अडाणी टोटल गैस का शेयर पिछले 5 दिन में 2त्न गिरा है। 1 महीने में शेयर 3 फीसदी चढ़ा है। वहीं 6 महीने में 13त्न गिरा है। एक साल में कंपनी का शेयर करीब 33 फीसदी गिरा है। कंपनी की मार्केट वैल्यू 67.94 हजार करोड़ रुपए है।

पति की मौत से दुखी, पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित कल्याणपुर में रविवार दोपहर एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि तीन साल पहले पति की सड़क हादसे में मौत होने के बाद से वह दुखी रहने लगी थी। अनुमान है कि पति की मौत से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार प्रेमबाई यादव पति स्वर्गीय शिवराज यादव (42) गांव कल्याणपुर सूखी सेवनिया में रहती थी और गृहणी थी। उसके पति शिवराज की तीन साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। परिवार में दो बेटे और बहू है। रविवार दोपहर प्रेमबाई ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही बड़ा बेटा देवेंद्र उसे फंदे से उतारकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचा, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

स्कूटर डिवाइडर से टकराई, इंजीनियरिंग छात्र की मौत

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित मौलाना आजाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी (मैनिट) परिसर में रविवार रात जुपीटर स्कूटर डिवाइडर से टकराने के कारण छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। हादसा मोड़ पर स्कूटर टर्न करते समय हुआ। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिसर में हॉस्टल जाते समय टर्निंग पर हुआ हादसा, सिर में थी गंभीर चोट

पुलिस के अनुसार मूलरूप से जिला सहरसा, बिहार निवासी सिद्धांत सौरभ (22) ईसी ब्रांच में तृतीय वर्ष का छात्र था। वह मैनिट परिसर के हॉस्टल में रहता था। रविवार रात वह अपने सहपाठी राहुल कुमार के साथ बाहर चाय-नाश्ते के लिए गया था। रात करीब पौने 9 बजे दोनों छात्र स्कूटर से मैनिट गेट पर पहुंचे। मेनगेट से अंदर हॉस्टल की तरफ जाते समय मामूली से मोड़ पर स्कूटर टर्न करते समय डिवाइडर में टकरा गई। स्कूटर रफ्तार में थी और दोनों छात्रों के सिर डिवाइडर से टकराए थे। हॉस्टल के छात्र और स्टॉफ के लोग लहूलुहान हालत में सिद्धांत और राहुल को पास ही स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद एम्स जाने की सलाह दी। छात्र उसे एम्स लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद सिद्धांत को मृत घोषित कर दिया।

फ्लैट में मिला बुजुर्ग ठेकेदार का शव

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित स्टीम होम्स इंद्रपुरी में सोमवार शाम एक बुजुर्ग की लाश बंद फ्लैट में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। लाश पुरानी होने के कारण बुरी तरह से सड़ चुकी थी।

एएसआई राम राज बघेल ने बताया कि सत्यजीत सिंह हुंडल (65) फ्लैट नंबर-303, स्टीम होम्स में अकेले रहते थे। उनके पड़ोस में रहने वाले लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि उनके फ्लैट का दरवाजा तीन चार दिन से खुला नहीं है और अंदर से बदबू आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो असहनीय बदबू आ रही थी। पुलिस ने सफाईकर्मी को बुलाया और किसी तरह फ्लैट का दरवाजा तोड़ा। इस दौरान सत्यजीत सिंह की लाश सौंफे पर पड़ी नजर आई। लाश करीब तीन चार दिन पुरानी होने के कारण के बुरी तरह से सड़ चुकी थी। परिजन ने बताया कि वर्ष 2012 में पत्नी से उनका विवाद हो गया था। इसके बाद पत्नी अपनी दो बच्चियों के साथ अलग रह रही थी। उस समय सत्यजीत सिंह ठेकेदारी करते थे।

जयप्रकाश अस्पताल में हिंदू संगठन ने किया हंगामा, बीच बचाव में पुलिसकर्मी घायल

यौन उत्पीड़न आरोपियों की कोर्ट में पिटाई, वकीलों ने घेरा, जान बचाने आरोपियों को कोर्ट में छिपाया

- **अस्पताल से लेकर कोर्ट तक वकीलों और हिंदू संगठनों ने किया विरोध, हंगामा देखते हुए बुलाना पड़ा अतिरिक्त पुलिस बल**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छात्राओं से दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न सहित उन्हें धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले आरोपियों को सोमवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर दिया। इस दौरान पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी। यह जानकारी मिलते ही आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। हिंदू संगठन और सैकड़ों की तादाद में वकील एकत्रित होने लगे। पुलिस कस्टडी में आरोपियों पर खतरा भांपकर पुलिस को अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा, लेकिन वकीलों और हिंदू संगठन के गुस्से से आरोपी बच नहीं सके। आरोपी अली और साद के साथ कोर्ट में जमकर मारपीट हुई। जब भी मौका मिला उनकी कोर्ट में पिटाई की गई। वकीलों और हिंदू संगठन का गुस्सा देख आरोपियों को जज की कोर्ट में छिपाना पड़ा। आरोपियों पर वकीलों सहित हिंदू संगठन के

गुस्से का शिकार दो पुलिसकर्मियों को होना पड़ा। आरोपियों को सुरक्षित रखने के प्रयास में वे खुद चोटिल हुए है।

बिना मेडिकल कराए लौटी पुलिस – आरोपी फरहान और साहिल को कोर्ट में पेश करने से पहले पुलिस मेडिकल कराने जय प्रकाश अस्पताल पहुंची। वहां हिंदू संगठन संस्कृति बचाओं मंच के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने विरोध शुरू कर दिया। सैकड़ो की संख्या में एकत्रित हुए हिंदू संगठन के लोगों ने आरोपियों के मुंह पर कालिख पोतने का कहा और पुलिस को उन्हें संगठन के हाथ सौंपने की बात कही। हंगामा होता देख पुलिस को आरोपियों को बिना मेडिकल कराए ही लेकर जाना पड़ा। इसके बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जय प्रकाश अस्पताल में हालात सामान्य होने के बाद आरोपियों का मेडिकल कराया गया। फरहान और साहिल को कोर्ट में पेश करने के बाद साहिल को जेल भेज दिया है, जबकि फरहान की पुलिस ने 2 दिन की रिमांड ली है। फरहान पहले से 3 दिन की रिमांड पर था लेकिन पुलिस की जांच पूरी नहीं होने के कारण उसे दो दिन की अतिरिक्त रिमांड पर लिया है।

चौथा आरोपी निजामुद्दीन कॉलोनी से गिरफ्तार – पुलिस ने यौन उत्पीड़न के इस सनसनीखेज मामले में चौथे आरोपी अली को गिरफ्तार निजामुद्दीन कॉलोनी से गिरफ्तार किया है। अशोका गार्डन पुलिस को जानकारी मिली थी कि अली यहां एक युवती के घर छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस ने टीम बनाकर इलाके की घेराबंदी की और आरोपी को दबोच लिया। पुलिस का कहना है कि रविवार देर रात पुलिस की धरपकड़ की कार्रवाई में अली ने भागने का प्रयास किया था। इससे वह गिर गया और उसके पैर में फैक्चर हो गया। पुलिस उस युवती से भी पूछताछ कर रही है, जिसके घर अली ने पनाह ली थी। अशोका गार्डन पुलिस ने पूछताछ के लिए अली को 5 दिन की रिमांड पर लिया है। जबकि आरोपी साद को जेल भेज दिया गया। अली पर दो पीड़िताओं से दुष्कर्म और साथियों को परोसने का आरोप है कि उससे इस संबंध में पुलिस पूछताछ करेगी।

बागसेवनिया पुलिस की लारवाही – बागसेवनिया पुलिस ने सोमवार सुबह तीनों आरोपियों में फरहान, साद और साहिल का जुलूस निकाला था। आरोपियों से मुख्य सड़क पर उठक बैठक भी लगवाई। इस संवेदनशील मामले में आरोपियों का जुलूस निकालने से पहले पुलिस को यह तक ध्यान नहीं रहा कि यदि हिंदू संगठनों को आरोपियों के जुलूस की भनक लगती है तो पुलिस कस्टडी में आरोपियों पर हमला

14 साल की किशोरी से छेड़छाड़, विरोध करने पर माता-पिता को भी पीटा , दो जुड़वा नाबालिग भाइयों समेत आधा दर्जन लोगों पर प्रकरण

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित नवीबाग में छेड़छाड़ का विरोध करने पर दो जुड़वा नाबालिग भाइयों समेत परिवार के आधा दर्जन लोगों ने 14 साल की किशोरी से मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने आए माता-पिता को भी आरोपियों ने जमकर पीटा। पुलिस ने बलवा, मारपीट, छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों ने महिला और दो बेटियां भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार नवीबाग इलाके में माता-पिता के साथ किराए के मकान में रहने आई 14 साल की किशोरी नवमीं कक्षा की छात्रा है। पिछले कुछ समय से मोहल्ले में रहने वाले दो जुड़वा भाई (साढ़े 16 साल) आते-जाते पीछा कर किशोरी से छेड़छाड़ करते आ रहे थे।

शराबियों ने बीच सड़क मचाई गदर, गुजरने वाली कार, आटो और स्कूल वैन पर पथराव

- **सब्जी फार्म शाहपुरा के पास सड़क पर खड़े होकर करीब 45 मिनट की गदर, नहीं पहुंची पुलिस**
- **पुलिस ने दर्ज की दो बदमाशों पर एफआईआर, आरोपी की गिरफ्तारी के किए जा रहे प्रयास**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुर थाना क्षेत्र स्थित सब्जी फार्म के पास सोमवार सुबह मुख्य सड़क पर खड़े दो शराबियों ने जमकर गदर मचाई। आरोपी सड़क के बीच में खड़े हो गए और वहां से गुजरने वाली कार, स्कूल वैन और आटो पर डंडे बसराते रहे। इस दौरान एक आरोपी ने वाहनों पर ईंट और पत्थर भी फेंके। पूरी घटना सुबह सात बजे से शुरू हुई और पौने आठ बजे तक चलती रही, लेकिन पुलिस के कान में जू तक नहीं रैंगी। अब पुलिस कह रही है कि आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनकी उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार देवेंद्र वर्मा पिता रामप्रकाश वर्मा (42) श्याम नगर हबीबगंज में रहते हैं और ई रिक्शा चलाते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि सोमवार सुबह वह ई रिक्शा में

सवारी लेकर सलैया छोड़ने जा रहे थे। सब्जी फार्म शाहपुरा पहुंचने पर देखा कि सड़क पर सूरज काला अपने साथी के साथ खड़ा हुआ है। बिना किसी कारण के आरोपी सूरज काला ने ई रिक्शा के सामने वाले कांच पर डंडा मार दिया। जिससे कांच टूट गया। देवेंद्र ने ई रिक्शा खड़ा किया तो आरोपी उसके पास पहुंचे और डंडे से मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान उसके साथी ने हाथ मुक्कों से मारपीट की। दहशत में लोग भागते आए नजर घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी हाथ में डंडा लेकर सड़क से गुजर रहे वाहनों में तोड़फोड़ करते हुए नजर आ रहे हैं। आरोपी बिना किसी कारण के नशे में गदर कर रहे थे और वहां से गुजरने वाले वाहनों पर डंडे बरसाने के साथ पथराव कर रहे थे। मुख्य सड़क पर गदर होते देख लोग अपने वाहन लौटाकर जाते देखे गए। इसके विपरित जो लोग अपना वाहन लेकर गुजरे तो उनके वाहनों पर पथराव और डंडे बरसाए। स्कूल वैन को भी नहीं छोड़ा उसमें भी तोड़फोड़ आरोपियों की पहचान सूरज काला निवासी गड्ढे वाली मल्टी, हबीबगंज और मिसरोद निवासी नाना के रूप में की गई। आरोपी नशे में थे और वहां से गुजर रही बच्चों की स्कूल वैन को भी नहीं छोड़ा आरोपियों ने बच्चों की स्कूल वैन में भी तोड़फोड़ की है। पुलिस की दलील है कि केवल दो कार और एक आटो में तोड़फोड़ की गई, जबकि दर्जनभर गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई है। यह भी बताााय जा रहा है कि बदमाश इस तरह की हरकत रात से ही कर रहे थे। कुछ फरियादी शिकायत करने पहुंचे थे।

80 फीट ऊंचे टॉवर पर चढ़कर कूदने की धमकी, डेढ़ घंटे हंगामा

- **सूखे नशे का आदी है कि युवक, पुलिस और निगम अमले ने बिछाया जाल**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारत टॉकीज चौराहा पर ग्रांड होटल के सामने सोमवार सुबह उस समय भीड़ एकत्रित हो गई, जब सूखे नशे करने वाला एक युवक करीब 80 फिट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। टॉवर पर चढ़कर उसने नीचे कूदने की धमकी दी थी। सूचना पर पहुंची मंगलवारा पुलिस और नगर निगम का रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गया। पुलिस और अमले ने लाउडस्पीकर पर अनाउंसमेंट कर युवक से नीचे आने की गुहार लगाई लेकिन युवक नीचे नहीं उतरा। करीब डेढ़ घंटे बाद की मशक्कत के बाद युवक को नीचे उतरा गया। किसी प्रकार की अनहोनी न हो, इसके लिए रेस्क्यू टीम ने नीचे जाल बिछा रखा था। अमले के लोग युवक को नीचे उतारने के लिए टॉवर पर चढ़ गए थे। घटनास्थल पर काफी संख्या में लोगों के जमा होने से काफी देर ट्रैफिक भी बाधित रहा। जानकारी के अनुसार बरखेड़ी जहांगीराबाद में रहने वाला राजा ठाकुर (28) सिलोचन व दूसरे सूखे नशे करने का आदी है। वह अधिकतर समय भारत टॉकीज ब्रिज के पास फुटपाथ पर घूमता रहता है। सोमवार सुबह राजा सिलोचन का नशा करने के बाद टॉवर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम का अमला भी मौके पर पहुंच गए और लाउडस्पीकर पर अनाउंस कर युवक से नीचे आने की गुहार लगाई, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी वह नीचे आने के लिए तैयार नहीं हुआ। वह बार-बार नीचे कूदने की धमकी दे रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि रेस्क्यू टीम ने टॉवर के नीचे बड़ा सा जाल बिछा दिया था। अमले के लोग टॉवर पर भी चढ़ गए गए थे। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद युवक को सकुशल नीचे उतार लिया गया। बताया जा रहा है कि नीचे उतरने के दौरान युवक मामूली रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने परिजनों को बुलाने के बाद राजा ठाकुर को पिता के हवाले कर दिया था। बताया जा रहा है कि टॉवर से नीचे उतारने के बाद पुलिस की टीम राजा ठाकुर को मंगलवारा थाने ले आई थी। थाने में कुछ देर बाद ही युवक बेहोश हो गया। थाने में युवक को बेहोश होता देख पुलिस के हाथ-पैर फूल गए। आनन-फानन में उसे होश में लाने

मेट्रो एंकर भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों में लगातार हो रही वारदातें

पिट्ठू बैग से नकदी और मोबाइल समेत 85 हजार का सामान पार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

- **यशवंतपुर-अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस में बैंगलोर से उज्जैन की यात्रा कर रहे एक युवक के पिट्ठू बैग से चोर नकदी और मोबाइल समेत करीब 85 हजार रुपए का सामान चोरी कर लिया।**

इसी प्रकार कई अन्य यात्रियों के कीमती मोबाइल फोन समेत अन्य सामान चोरी चला गया। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार भरतराज पुरोहित (43) बैंगलोर के रहने वाले हैं। पिछले दिनों वह अपने परिवार के साथ यशवंतपुर अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में बैंगलोग से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। रात करीब डेढ़ बजे ट्रेन जब भोपाल स्टेशन से निकल रही थी, तभी सीट पर रखे उनके पिट्ठू बैग से चोरों ने 20 हजार रुपए नकदी और तीन मोबाइल फोन समेत करीब 85 हजार रुपए का सामान चोरी कर लिया। भरतराज ने मामले की शिकायत उज्जैन जीआरपी में की थी, जहां से केस डायरी आने के बाद भोपाल जीआरपी ने असल कायमी कर जांच शुरू कर दी है। इसी प्रकार शाहजहांनाबाद भोपाल निवासी दीपक यादव पिछले दिनों अपनी पत्नी के साथ पठान कोट के जनरल कोच में सवार होकर भोपाल से होशंगाबाद जा रहे थे। मंडीदीप और औबेदुल्लागंज के बीच किसी ने उनकी जेब में रखा पर्स चोरी कर लिया। पर्स में 5 हजार रुपए नकद, ड्राइविंग लायसेंस, पेनकार्ड, आधार कार्ड समेत अन्य सामान रखा हुआ था। युवक की जेब से 28 हजार का मोबाइल चोरी विदिशा जिले के सिरोंज में रहने वाला धर्मेंद्र कुशवाह (26) अहमदाबाद एक्सप्रेस के जनरल कोच में गंजबासौदा से उज्जैन की यात्रा कर रहा था। रात करीब नौ बजे ट्रेन जब संत हिरदाराम नगर पहुंची, तो पता चला कि उसके पैंट की जेब में रखा रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन गायब है। चोरी गए मोबाइल की कीमत 28 हजार रुपए बताई गई है। इधर, छत्तीसगढ़ के दुर्ग में रहने वाले कुंजबिहारी शर्मा अपनी पत्नी के साथ सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम पहुंचे थे। वापस लौटते समय वह सीहोर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर पहुंचे, तभी पता चला कि उनकी पत्नी की लेडीज पर्स किसी ने चोरी कर लिया। पर्स में 3 हजार रुपए नकद और सैमसंग कंपनी के दो मोबाइल फोन समेत करीब 38 हजार रुपए का सामान रखा था।

दोस्त के साथ मिलकर पेटी से चुराए 13 लाख रुपए के जेवर, गिरफ्तार

- **चोरी के जेवर बैंक में गिरवी रखकर ले लिया था लोन**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग पुलिस ने पुष्पा नगर फूटी बावड़ी इलाके में पेटी से 13 लाख रुपए के जेवर चुराने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी किसी और ने नहीं, बल्कि फरियादी के भांजे और उसके दोस्त ने चोरी किए थे। आरोपी ने घर में रखी पेटी से सोने के जेवरात व 11 हजार नगद चुरा लिए थे। संदेह के आधार पर पुलिस ने पूछताछ की और खुलासा होने पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर 13 लाख रुपए के जेवरात बरामद कर लिए।

पुलिस के अनुसार पुष्पा नगर रोड फूटी बावड़ी ऐशबाग निवासी

मीरा गौर पत्नी शैलेन्द्र गौर (32) ने विगत 24 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी सास सुशीला गौर के कमरे में लोहे की एक छोटी सी पेटी रखी थी। पेटी में उनका, उनकी दोनों ननद और सास के पुराने इस्तेमाली सोने के जेवरात व 11 हजार रुपए नगद रखे थे। पिछले दिनों सास और ससुर खाटूश्याम दर्शन के लिए चले गए थे। इस बीच 15 अप्रैल को मीरा गौर सास-ससुर के कमरे की सफाई कर रही थीं। तभी फर्श पर उन्हें पेटी की चाबी पड़ी मिली। संदेह होने पर दंपति ने पेटी चैक की तो ताला लगा हुआ था। ताला खोलने पर पता चला कि अंदर रखी नगदी और जेवरात चोरी हो चुके हैं। उन्होंने तत्काल सास को घटना की जानकारी दी। सास-ससुर भोपल पहुंचे और घर में जेवरात की खोजबीन की लेकिन कहीं नहीं मिले। फरियादिया ने प्रकरण दर्ज कराते हुए भांजे और उसके दोस्त पर चोरी का संदेह व्यक्त किया था। संदेह के आधार पर पुलिस ने राज पटेल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो उसने चोरी से साफ इनकार करते हुए पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर उसने चोरी की वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया। उसने बताया कि कुछ जेवरात उसने अपने पास रखे हैं जबकि कुछ जेवरात बैंक में जमा कर लोन

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022